RNI No. 62592/95
www.upobserver.in
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 32 अंक : 35 सोमवार 1 से 7 दिसंबर, 2025 पृष्ठ: 10 मूल्य : ₹3/=



सशक्त आत्मा ही विश्व एकता की संकल्पना को साकार करने की आधारशिला: राष्ट्रपति ...7

पीएम मोदी ने मन की बात के 128वें संस्करण को किया संबोधित

'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने की अपील की



नई दिल्ली। 'आजकल हमारे देश में एंड्युरेंस स्पोर्ट्स की संस्कृति तेजी से उभर रही है। इससे मतलब ऐसी गतिविधियों से है, जिनमें इंसानी क्षमता की परख होती है। मुझे बताया गया है कि देशभर में हर महीने 1500 से ज्यादा एंड्युरेंस स्पोर्ट्स का आयोजन होता है, जिसमें हिस्सा लेने के लिए एथलीट्स दूर-दूर तक जाते हैं। इसका उदाहरण है आयरनमैन जिसमें समुद्र में चार किलोमीटर तक तैरना, 180 किलोमीटर की साइकिल चलाना और 82 किलोमीटर तक मैराथन करना जैसे काम एक दिन में करने होते हैं। ऐसी कई और प्रतियोगिताएं हैं, जो युवाओं में काफी लोकप्रिय हो रही हैं। इनसे फिटनेस को बढ़ावा मिलता है। साथियों आपसे हर महीने मिलना मेरे लिए नया अनुभव होता है। आपकी गाथाएं और आपके प्रयास मुझे प्रेरित करते हैं। आपके सुझाव मुझे इस कार्यक्रम में भारत की विविधताओं को समेटने की प्रेरणा मिलती है। सर्दियों के मौसम में आप अपना और अपने परिवार का ध्यान रखें। अगले महीने हम नए विषयों पर चर्चा करेंगे। तब तक के लिए बहुत बहुत धन्यवाद।'

पीएम ने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा, खेलों की दुनिया में भी भारत का परचम लहराया है। कुछ दिन पहले ही भारत को राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिलने का भी एलान हुआ। ये उपलब्धियां देश की हैं, देशवासियों की है। और 'मन की बात' देश के लोगों की ऐसी उपलब्धियों को, लोगों के सामूहिक प्रयासों को जन-सामान्य के सामने लाने का एक बेहतरीन मंच है।

'प्यारे देशवासियों मैं आप सभी से वोकल फॉर लोकल के मंत्र को साथ लेकर चलने की अपील करता हूं। हाल ही में जी20 सम्मेलन के दौरान मैंने वैश्विक नेताओं को ऐसे उपहार भेंट किए, जो वोकल फॉर लोकल के मंत्र को बढ़ावा देते हैं। मैंने जापान की प्रधानमंत्री को भगवान बुद्ध की चांदी की प्रतिमा भेंट की। इटली की पीएम को करीमनगर की एक कला भेंट की। मैं चाहता हूं कि दुनिया हमारे कारीगरों की प्रतिभा को पहचाने। मुझे खुशी है कि वोकल फॉर लोकल की भावना को देशवासियों ने अपना लिया है। हाल के त्योहारों की खरीद में लोगों ने मन से भारत के उत्पादों को चुना। इस बार युवाओं ने भी वोकल फॉर लोकल के अभियान को गति दी। आगामी क्रिसमस के समय भी वोकल फॉर लोकल की भावना का ध्यान रखे।'

भूटान दौरे का किया जिक्र

'साथियों कुछ हफ्ते पहले मैं भूटान गया था। अपनी इस यात्रा में मैंने भूटान के राजा और पूर्व राजा और अन्य लोगों से मुलाकात की। इस दौरान हर किसी से एक बात जरूर सुनने को मिली। हर कोई वहां भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भेजे जाने की तारीफ कर रहे थे। ये सुनकर मेरा हृदय खुशी से भर उठा। कई अन्य देशों ने भी, जहां भगवान बुद्ध के अवशेष भेजे गए, उन्होंने भी ऐसी ही खुशी जाहिर की।'

जामनगर के जामसाब की महानता का किया जिक्र

'हरियाणा के कुरुक्षेत्र में महाभारत का युद्ध हुआ। अब इस युद्ध के अनुभव को कुरुक्षेत्र में डिजिटल तरीके से भी महसूस कर सकते हैं। कुरुक्षेत्र में ब्रह्म सरोवर पर आयोजित गीता महोत्सव में शामिल होना भी मुझे आनंद से भर गया था। इस महोत्सव में यूरोप, सेंट्रल एशिया समेत दुनिया के कई देश शामिल हुए। इस साल सऊदी अरब में पहली बार गीता की प्रस्तुति की गई।'

'भारत की महान संस्कृति में शांति और करुणा का भाव सर्वोपरि रहा है। दूसरे विश्वयुद्ध के समय जब चारों ओर भय का माहौल था। उस वक्त जामनगर के राजा दिग्विजयसिंहजी रणजीतसिंहजी जडेजा जामसाब ने विश्वयुद्ध के बीच यहूदी बच्चों की रक्षा की। उन्होंने तब गुजरात में हजारों यहूदी बच्चों को शरण देकर उनकी रक्षा की, जो आज भी मिसाल है। पिछले साल पोलैंड के वारसॉ में मुझे जामसाब की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने का मौका मिला था, जो मेरे लिए अविस्मरणीय पल रहा।'

नौसेना दिवस पर ये बोले पीएम मोदी

'2 दिसंबर से काशी तमिल संगमम की शुरुआत हो रही है। यह उन सभी लोगों के एक महत्वपूर्ण मंच गया है, जिन्हें तमिल भाषा से प्यार है। इस बार भी काशी वासी पूरे जोश और उत्साह के साथ तमिलनाडु से आने वाले अपने भाई-बहनों का स्वागत करने के लिए उत्सुक है। इसके साथ ही ऐसे और मंचों के बारे में सोचे, जिनसे एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना मजबूत हो।' 'मेरे प्यारे देशवासियों, जब भारत के सुरक्षा तंत्र को मजबूती मिलती है तो सभी को खुशी होती है। पिछले दिनों आईएनएस माहे को लॉन्च किया गया। इसका माहे नाम, उस स्थान माहे के नाम पर रखा गया है, जिसकी समृद्ध विरासत रही है। केरल और तमिलनाडु के लोगों ने तारीफ की है। हमारी नौसेना तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही है। 4 दिसंबर को हम नौसेना दिवस मनाने जा रहे हैं। ये दिन हमारे बहादुर नौसेना जवानों को सम्मान देने का अवसर है।'

शहद की मिठास पैदा कर रही रोजगार

'जब चंद्रयान 2 संपर्क से बाहर हो गया था, उस दिन पूरा देश और वैज्ञानिक कुछ पल के लिए निराश हुए, लेकिन उसी दिन वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 की सफलता की कहानी लिखनी शुरू कर दी थी। हर बार जब मैं युवाओं की लगन और वैज्ञानिकों के समर्पण को देखता हूं तो मन उत्साह से भर जाता है, यही हमारे देश की ताकत है।' 'हम सभी शहद की मिठास से परिचित होंगे, लेकिन हमें ये पता नहीं चलता कि इसके पीछे कितने लोगों की मेहनत है। जम्मू कश्मीर के सुलाई में शहद को जीआई टैग मिला है, जिसके बाद इसकी पहचान पूरे देश में बन रही है। दक्षिण कन्नड़ जिले की वनस्पतियां शहद उत्पादन के लिए अच्छी मानी जाती हैं। यहां ग्रामजन्य संस्था ने शहद उत्पादन को ब्रांडेड बनाकर शहरों तक बेचा है, जिसका लाभ किसानों को मिल रहा है। आज भारत शहद उत्पादन में नए रिकॉर्ड बना रहा है। आज भारत में शहद उत्पादन डेढ़ लाख मीट्रिक टन से ज्यादा हो गया है। इससे हजारों लोगों को रोजगार के अवसर मिले हैं। इससे देश के कोनों में शहद की मिठास भी बढ़ रही है और ये मिठास किसानों की आय भी बढ़ा रही है।'

खेलों के लिए उपलब्धियों से भरा रहा ये महीना

'खेलों के लिहाज से भी ये महीना भारत के लिए सुपरहिट रहा। पहले महिला टीम ने वर्ल्ड कप जीता। कुछ दिनों पहले ही बधिर ओलंपिक में 20 मेडल जीते। हमारी महिला टीम ने कबड्डी वर्ल्ड कप जीता। वर्ल्ड बॉक्सिंग में भी हमारे खिलाड़ियों ने 20 पदक जीते। हमारी ब्लाइंड महिला टीम ने बिना कोई मैच हारे वर्ल्ड कप जीता। इस टीम का हौसला और जज्बा हमें बहुत कुछ सिखाता है। ये जीत हर भारतीय को प्रेरित करती रहेगी।'

देश में विंटर टूरिज्म की संभावनाओं पर की बात

'अनेक देशों में विंटर फेस्टिवल, स्कीइंग, फैमिली स्नोपार्क जैसे अनुभवों को अपनी पहचान बनाया है। हमारे देश में भी विंटर टूरिज्म की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। इन दिनों उत्तराखंड का विंटर टूरिज्म लोगों को आकर्षित कर रहा है। कई जगह लोगों के बीच खूब प्रसिद्ध हो रही हैं। हाल ही में आदि कैलाश में राज्य की पहली हाई एल्टीट्यूड मैराथन रन का आयोजन किया गया। 60 किलोमीटर लंबी आदि कैलाश रन कड़कड़ाती सर्दी में सुबह 5 बजे हुआ था। आदि कैलाश की यात्रा पर जहां तीन साल पहले तक दो हजार तक पर्यटक आते थे, आज यह संख्या बढ़कर 30 हजार तक पहुंच गई है।'

'स्पेस इकोसिस्टम को मिल रही उड़ान'

'हाल ही में भारत के स्पेस इकोसिस्टम को स्काईरूट के इन्फिनिटी कैंपस ने नई उड़ान दी है। कृषि क्षेत्र में भी देश ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 3.57 करोड़ टन के खाद्यान उत्पादन के साथ रिकॉर्ड बनाया है। कुछ दिन पहले ही भारत को राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली है। ये उपलब्धियां देश की और देशवासियों की हैं। खेलों में भी हमारे खिलाड़ियों ने देश का नाम रोशन किया है। साथियों अगर मन में लगन हो, टीम की तरह काम करने का विश्वास हो और फिर से उठ खड़े होने का साहस हो तो कठिन से कठिन काम भी पूरे होते हैं। आज दुनिया के देश अंतरिक्ष की ऊंचाईयों को नाप रहे हैं।'

मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, 'नवंबर का महीना बहुत सी प्रेरणाएं लेकर आता है। कुछ दिन पहेल ही संविधान दिवस पर सेंट्रल हॉल में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। वंदे भारत पर होने वाले कार्यक्रमों की शुरूआत हुई और अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा फहराई गई।'

कुछ भारतीय लोग अपनी ही भाषा नहीं जानते: मोहन भागवत



नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को भारतीय भाषाओं और मातृभाषाओं के घटते इस्तेमाल पर चिंता जताई। मोहन भागवत ने कहा कि हालात ऐसी स्थिति पर पहुंच गए हैं कि कुछ भारतीय लोग हमारी अपनी भाषाएं नहीं जानते हैं। संत ज्ञानेश्वर की मूल रूप से मराठी में लिखी गई पुस्तक 'श्री ज्ञानेश्वरी' के अंग्रेजी संस्करण के विमोचन के अवसर पर नागपुर में बोलते हुए भागवत ने समाज से भाषाई विरासत के धीरे-धीरे कम होने पर आत्मचिंतन करने की अपील की। उन्होंने कहा, 'एक समय था जब सारा संचार, लेन-देन, रोजमर्रा के काम संस्कृत में होते थे। अब, कुछ अमेरिकी प्रोफेसर हमें संस्कृत पढ़ाते हैं, जबकि वास्तव में हमें इसे दुनिया को सिखाना चाहिए था। आज बहुत से बच्चे कुछ बुनियादी और सरल शब्द भी नहीं जानते हैं और अक्सर घर पर अपनी मातृभाषा और अंग्रेजी के मिश्रण में बात करते हैं।'

आरएसएस प्रमुख ने कहा, 'स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि कुछ भारतीय लोग हमारी अपनी भारतीय भाषाएं नहीं जानते हैं।' उन्होंने कहा कि अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा इसके लिए जिम्मेदार नहीं है, बल्कि घर पर भारतीय भाषाएं बोलने की अनिच्छा के कारण स्थिति और बिगड़ रही है। उन्होंने कहा, 'अगर हम अपने घर में अपनी भाषा ठीक से बोलें, तो चीजें बेहतर होंगी। लेकिन हम ऐसा नहीं करते।' भागवत ने कहा कि अब संत भी अंग्रेजी में बात करते हैं, जो समझ में आता है, लेकिन यह अभी भी बदलती भाषाई प्राथमिकताओं का संकेत है।

संत ज्ञानेश्वर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संत ने समाज की बेहतर समझ के लिए भगवद् गीता के ज्ञान को मराठी में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, 'अब समस्या यह है कि अंग्रेजी भाषा में पर्याप्त शब्द नहीं हैं जो हमारी भाषाओं में व्यक्त विचारों या अवधारणाओं के सार और गहराई को व्यक्त कर सकें। ज्ञानेश्वर द्वारा प्रयुक्त एक शब्द के लिए अक्सर कई अंग्रेजी शब्दों की आवश्यकता होती है, लेकिन वह पूरी तरह से इच्छित अर्थ नहीं बता पाता।'

एक उदाहरण देते हुए उन्होंने भारतीय परंपरा में बताए गए कल्पवृक्ष का उल्लेख किया। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध अवधारणाओं का विदेशी भाषा में अनुवाद करने की सीमाओं पर जोर देते हुए भागवत ने पूछा, 'आप कल्पवृक्ष का अंग्रेजी में अनुवाद कैसे करेंगे?' उन्होंने कहा कि ऐसे उदाहरण इस बात पर जोर देते हैं कि भारतीय भाषाओं को संरक्षित और मजबूत क्यों किया जाना चाहिए।

लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर और झांसी में लगेंगे मेगा जॉब फेयर, 15 हजार युवाओं को नौकरी दिलाने का लक्ष्य



लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन युवाओं को प्रशिक्षण देने के साथ ही उनको रोजगार दिलाने के लिए भी काम करेगा। इस क्रम में मिशन की ओर से लखनऊ, गोरखपुर, झांसी, वाराणसी और मुजफ्फरनगर में मेगा जॉब फेयर (वृहद रोजगार मेला) का आयोजन किया जाएगा। इनमें लगभग 100 कंपनियों की भागीदारी और 15 हजार से अधिक को रोजगार दिलाने का लक्ष्य है।

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बैठक में आयोजन की तैयारी के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार मेलों में अधिकतम युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी और ज्यादा से ज्यादा युवाओं को नौकरी दिलाई जाएगी। मंत्री ने निर्देश दिया कि सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षकों की उपस्थिति और प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। अच्छा प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को प्रोत्साहित और कमजोर प्रदर्शन वाले संस्थानों से स्पष्टीकरण लिया जाए। उद्योगों की मांग और युवाओं की रुचि के अनुरूप नए व्यवसाय शुरू करें।

बैठक में बताया गया कि इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता के तहत मंडल स्तरीय प्रतियोगिताएं 1 से 10 दिसंबर के बीच होंगी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं 20 दिसंबर से 20 जनवरी के बीच होंगी। बैठक में प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम, विशेष सचिव अभिषेक सिंह, निदेशक कौशल विकास मिशन पुलकित खरे आदि शामिल हुए।

आईआईटी-आईआईएम व एमएनआईटी बनेंगे नॉलेज पार्टनर

प्रशिक्षण की गुणवत्ता को और मजबूत करने के लिए कौशल विकास मिशन ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की तथा मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर को नॉलेज पार्टनर बनाया है। भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ सहित अन्य प्रमुख संस्थानों को भी इसमें शामिल करने की प्रक्रिया चल रही है। ताकि पाठ्यक्रम विकास, मूल्यांकन सुधार और उद्योगों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित होगा। प्रशिक्षकों की क्षमता वृद्धि के लिए वाधवानी संस्था के साथ एमओयू करके प्रशिक्षण शुरू किया है।

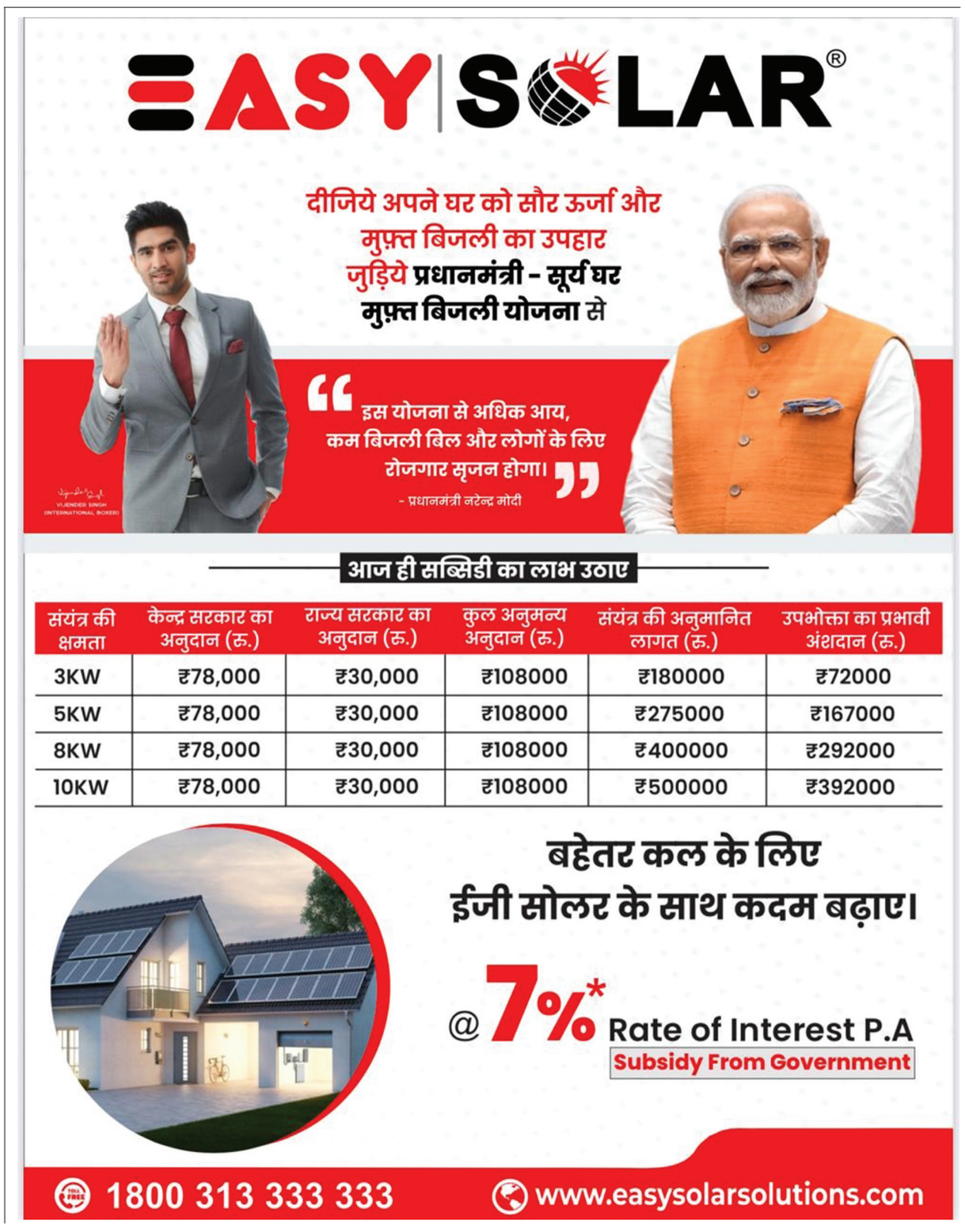
एसआईआर अपडेट की समय-सीमा 7 दिन बढ़ी

- चुनाव आयोग ने जारी किया नया शेड्यूल



नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया की समय सीमा को एक हफ्ते के लिए बढ़ा दिया है। इससे मतदाताओं को आगामी चुनावों से पहले वोटर लिस्ट में अपने नाम की सही जानकारी सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है। अब मतदाता सूची में नाम जोड़ने का काम 11 दिसंबर 2025 तक चलेगा। इसी तरह, वोटिंग सेंटर्स की री-अरेंजमेंट भी 11 दिसंबर 2025 तक पूरी करनी होगी। निर्वाचन आयोग ने रविवार को नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया। आयोग ने कहा कि काउंटिंग प्रपत्र वितरण अब चार दिसंबर के बजाय 11 दिसंबर तक जारी रहेगा। ड्राफ्ट मतदाता सूची अब नौ दिसंबर के स्थान पर 16 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी। फाइनल वोटर लिस्ट सात फरवरी के स्थान पर 14 फरवरी, 2026 को जारी की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की घोषणा 27 अक्टूबर को की थी।

इस फैसले के बाद 12 राज्यों में SIR अब 11 दिसंबर तक अपडेट किया जा सकता है। इस संशोधन का असर राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात में दिखेगा। इसके अलावा केरल, गोवा, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल में भी इस फैसले का असर नजर आएगा। अब वोटर लिस्ट रिविजन से जुड़े सभी फेज नई तारीखों के अनुसार पूरे किए जाएंगे।



एसआईआर अभियानः जिलाधिकारी ने मतदाताओं से समय पर फॉर्म जमा करने की अपील

एसआईआर अभियान में भागीदारी से मतदाता सूची होगी सटीक और अद्यतनः रविन्द्र कुमार माँदड़

यू.पी. ऑब्ज़र्वर





- विशेष गहन पुनरीक्षण बैठक और प्रगति समीक्षा, बीएलओ और कर्मचारियों का किया सम्मान
- मतदाता जागरूकता और फॉर्म वितरण, वीआरसी सेंटर और ऑनलाइन सुविधा की दी जानकारी

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारी और जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्य की प्रगति और इसे शत-प्रतिशत पूरा करने के लिए मीडिया से विस्तृत बैठक की। इस दौरान उन्होंने मीडिया बन्धुओं से फीडबैक लिया और जनपदवासियों से अपील की कि वे अपने गणना प्रपत्र को समय पर भरकर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी को जमा कराएँ। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ 30 नवंबर को अपने-अपने बूथों पर उपस्थित रहेंगे, जहां फॉर्म लेकर जाने और जमा करने का कार्य किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी मतदाता का नाम मतदाता सूची से छूटना या कटना स्वीकार्य नहीं है और इसके लिए सभी को सामूहिक रूप से सहयोग करना होगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में निर्वाचकों से प्राप्त गणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण कार्य लगातार चल रहा है और समय पर फॉर्म जमा होने से यह कार्य भी समय पर पूरा होगा। उन्होंने मीडिया के माध्यम से जनपदवासियों से आग्रह किया कि वे अपने आस-पास के लोगों को जागरूक करें और उन्हें गणना प्रपत्र भरवाने और जमा कराने में मदद करें। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उन बीएलओ और कम्प्यूटर ऑपरेटरों को भी सम्मानित किया जो तेजी से कार्य कर रहे हैं।

प्रथम पुरस्कार पूजा रानी को दिया गया, उन्हें 10,000 का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त शालिनी अग्रवाल, पूनम शर्मा, अनुष्का चौधरी, विपिन कुमार गौड़, शिवलली, प्रतीक्षा अग्रवाल, ममता सिंह और शीतल चौधरी को 5,000-5,000 का प्रतीकात्मक चेक देकर सम्मानित किया गया। इन सभी बीएलओ की सुपरवाइजर रेनू शर्मा भी इस अवसर पर मौजूद रहीं। सिटी मजिस्ट्रेट एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी डॉ. संतोष कुमार उपाध्याय ने बताया कि इन विजेता कर्मचारियों को जिलाधिकारी के निर्देशानुसार 5-स्टार या 7-स्टार होटल में दो दिन का परिवारिक पैकेज भी दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने जनपद में एसआईआर की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि गाजियाबाद की पांचों विधानसभाओं में कुल 3,089 बीएलओ और धौलाना क्षेत्र में 135 बीएलओ तैनात हैं। 29 नवंबर की सुबह 10 बजे तक कुल कार्य प्रगति 36.87 प्रतिशत रही।

जिलाधिकारी ने बताया कि जिन मतदाताओं को गणना प्रपत्र नहीं मिला है, उसके मुख्य कारण हो सकते हैं कि उनके द्वारा आवास बदला गया हो या उनके मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) पर पुराना या गलत पता अंकित हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे मतदाता अपने गणना प्रपत्र को तहसील स्थित वीआरसी केंद्रों से प्राप्त कर सकते हैं।

डीएम ने मतदाताओं को ऑनलाइन सुविधा के बारे में भी जानकारी दी। जिलाधिकारी ने जनता से विशेष अपील की कि वे अपने आस-पास के लोगों को जागरूक करें, गणना प्रपत्र भरवाएं और समय पर जमा कराएं। उन्होंने कहा कि यह कार्य केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। समय पर सभी फॉर्म जमा होने से डिजिटलीकरण का कार्य भी समय पर पूरा होगा और जनपद की मतदाता सूची अद्यतन व सटीक रहेगी। डीएम रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कहा कि प्रत्येक मतदाता का सहयोग और जागरूकता इस विशेष गहन पुनरीक्षण को सफल बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। उन्होंने मीडिया और जनपदवासियों से अपील की कि वे इस कार्य में पीछे न हटें और इसे पूरी तत्परता और जिम्मेदारी के साथ पूर्ण करें।

ऑनलाइन जानकारी और सुविधा

- मतदाता भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट https://voters.eci.gov.in/ पर जाकर निम्न कार्य कर सकते हैं।
- 18 वर्ष से ऊपर के युवा/युवतीः फॉर्म 6 भरकर नया मतदाता कार्ड बनवाएं
- नाम हटाने के लिएः फॉर्म 7 भरें
- मतदाता कार्ड अपडेट/सुधार के लिएः फॉर्म 8 भरें
- एसआईआर फॉर्म ऑनलाइन भी भर सकते हैं
- 2003 से अब तक की मतदाता सूची, ईपीआईसी नंबर और अन्य निर्वाचन से संबंधित दस्तावेज प्राप्त करें। टोल फ्री नंबर 1950 पर कॉल कर या अपने विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/उप जिलाधिकारी कार्यालय से जानकारी लें।

कहाँ से प्राप्त करें गणना प्रपत्र

- लोनी क्षेत्रः तहसील लोनी स्थित वीआरसी केंद्र
- मोदीनगर क्षेत्रः तहसील मोदीनगर स्थित वीआरसी केंद्र
- सदर, साहिबाबाद, मुरादनगर और धौलाना क्षेत्रः सदर तहसील स्थित वीआरसी केंद्र।

विधानसभावार प्रगतिः

- लोनीः 530 बीएलओ, प्रगति 38.22 %
- मुरादनगरः 522 बीएलओ, प्रगति 43.74 %
- साहिबाबादः 1,139 बीएलओ, प्रगति 27.39 %
- सदरः 511 बीएलओ, प्रगति 38.36 %
- मोदीनगरः 387 बीएलओ, प्रगति 52.68 %

हरनंदीपुरम टाउनशिप के लिए जमीन खरीदी में देरी बर्दाश्त नहीं, काम तेज करें: भानू चंद्र

यू.पी. ऑब्ज़र्वर



गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की महत्त्वाकांक्षी और आगामी वर्षों में शहर की पहचान बदलने वाली नई टाउनशिप हरनंदीपुरम योजना को लेकर शुक्रवार को जीडीए सभागार में महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। मेरठ मंडल के मंडलायुक्त एवं जीडीए अध्यक्ष भानू चंद्र गोस्वामी ने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिया कि योजना के लिए किसानों की सहमति से भूमि खरीद की प्रक्रिया में और तेजी लाकर इसे जल्द से जल्द धरातल पर उतारा जाए। करीब दोपहर 12:30 बजे जब मंडलायुक्त जीडीए मुख्यालय पहुंचे तो पुलिस बल द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

इसके पश्चात् वे सीधे सभागार पहुंचे, जहाँ उन्होंने जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल, सचिव राजेश कुमार सिंह, ओएसडी राजीव रत्न सिंह, फाइनेंस कंट्रोलर अशोक कुमार वाजपेयी, सीएटीपी अरविंद कुमार, प्रभारी चीफ इंजीनियर आलोक रंजन, संयुक्त सचिव एम.पी. सिंह, विधि अधिकारी शशि भूषण राय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। चार घंटे तक चली इस बैठक में मंडलायुक्त ने नई टाउनशिप के साथ-साथ प्राधिकरण की अन्य विकास परियोजनाओं की भी गहन समीक्षा की। बैठक के दौरान मंडलायुक्त भानू चंद्र गोस्वामी ने कहा कि हरनंदीपुरम टाउनशिप गाजियाबाद का भविष्य तय करने वाली परियोजना है, इसलिए इसकी तकनीकी विशेषज्ञता और अवधारणा-डिजाइन पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना को गति देने के लिए अनुभवी और सेवानिवृत्त विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जाएँ, ताकि प्रोजेक्ट को सर्वोत्तम रूप में विकसित किया जा सके। उन्होंने कहा कि भूमि खरीद प्रक्रिया को शीर्ष प्राथमिकता पर रखा जाए। किसानों की सहमति और विश्वास को आधार बनाकर कार्य किया जाए, जिससे अधिग्रहण प्रक्रिया सुचारू, शांतिपूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरी हो सके। उन्होंने कहा कि योजना का विकास चरणबद्ध तरीके से अवश्य हो, लेकिन संपूर्ण मास्टर प्लान, लेआउट और डिजाइन एक साथ तैयार किया जाए, जिससे आगे विकास में किसी भी प्रकार की बाधा न आए। मंडलायुक्त ने तकनीकी मानकों, गुणवत्ता और टिकाऊ निर्माण पर भी सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली, सीवर सिस्टम, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज और अन्य जनसुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निर्धारित समयसीमा में कार्य न करने वाले ठेकेदारों पर पेनल्टी लगाने का निर्देश भी उन्होंने स्पष्ट रूप से दोहराया। उन्होंने जीडीए अधिकारियों को शहर की पहचान को एक नया रूप देने का लक्ष्य देते हुए कहा कि गाजियाबाद के प्रमुख विकास क्षेत्रों को जयपुर की 'पिंक सिटी' और लखनऊ के 'हजरतगंज' की तर्ज पर सुंदर, आकर्षक और व्यवस्थित स्वरूप में विकसित किया जाए।

प्रधानमंत्री आवास योजनाः निवाड़ी के 55 भवनों का ड्रॉ, आवेदकों के खिल उठे चेहरे

निवाड़ी के अवशेष भवनों का लॉटरी ड्रॉ पारदर्शिता के साथ सम्पन्न

- एसडीएम की अध्यक्षता में अधिकारी टीम ने किया ड्रॉ का निरीक्षण
- मकान मिलने से आवेदकों में खुशी की लहर, योजना से बढ़ी आशा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर





गाजियाबाद। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निवाड़ी में निर्मित अवशेष 55 भवनों का लॉटरी ड्रॉ शनिवार को आयोजित किया गया, जिससे योजना के लाभार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। ड्रॉ कार्यक्रम हिंदी भवन, लोहिया नगर में आयोजित किया गया, जिसमें एसडीएम राम शंकर की अध्यक्षता रही। कार्यक्रम में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह, फाइनेंस कंट्रोलर अशोक कुमार वाजपेयी, सहायक अभियंता सुरजीत कुमार, डूडा के परियोजना अधिकारी संजय पथेरिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। ड्रॉ के दौरान सभी आवेदकों की उपस्थिति में शुचिता और पारदर्शिता सुनिश्चित की गई। आवेदकों के लिए प्रत्येक भवन का नंबर लॉटरी ड्रॉ के माध्यम से निकाला गया। जब उनके मकानों का नंबर घोषित हुआ, तो उनके चेहरे खुशी और उत्साह से चमक उठे। यह आयोजन योजना की पारदर्शिता और लाभार्थियों तक सुविधाओं की सही पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संपन्न किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना का यह ड्रॉ विशेष रूप से उन लोगों के लिए आयोजित किया गया जो अपने सपनों का घर पाने के लिए लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे थे। ड्रॉ में शामिल सभी आवेदकों ने कार्यक्रम की व्यवस्था और पारदर्शिता की सराहना की। एसडीएम राम शंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य हर योग्य व्यक्ति को सशक्त और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवंटित भवनों का निर्माण और रख-रखाव पूरी तरह से योजना के मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। ड्रॉ कार्यक्रम में उपस्थित लाभार्थियों ने कहा कि उनका सपना अब पूरा हुआ है और उन्हें योजना पर पूरा भरोसा है।

कई लोगों ने कहा कि मकान मिलने से उनके जीवन में स्थिरता आएगी और वे अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य की योजना बना सकेंगे। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण और डूडा अधिकारियों ने बताया कि अब आवंटित भवनों की जल्दी से जल्दी कार्यवाही शुरू की जाएगी और लाभार्थियों को जल्द ही उनके नए मकानों की चाबियाँ प्रदान की जाएँगी। इस आयोजन से यह स्पष्ट हुआ कि प्रधानमंत्री आवास योजना की योजना और क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता है।

विकास की नई रफ्तार, गाजियाबाद नगर निगम के साथः लखनऊ में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने पेश की विकास रिपोर्ट

स्मार्ट सिटी, अमृत योजना और स्वच्छ भारत मिशन के तहत विकास कार्यों में तेजी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर





गाजियाबाद। गोमती नगर एक्सटेंशन स्थित नगर निकाय निदेशालय के सभागार में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम 'विकसित उत्तर प्रदेश, विकसित भारत @2047' में गाजियाबाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने गाजियाबाद नगर निगम की योजनाओं और विकास कार्यों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के नगर निगमों के उत्कृष्ट कार्यों को साझा करना और उन्हें भविष्य की योजनाओं के लिए मार्गदर्शन देना था।

नगर आयुक्त ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम स्मार्ट सिटी योजना, अमृत योजना, स्वच्छ भारत मिशन, सी एम ग्रिड, स्पोर्ट्स कंपलेक्स और अन्य प्रमुख योजनाओं में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर की सभी योजनाओं का उद्देश्य नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाना, नगर निगम को हाईटेक और आधुनिक शहर के रूप में विकसित करना और 2047 तक गाजियाबाद नगर निगम को पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।

नगर आयुक्त ने कहा कि नगर निगम की योजनाओं की प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों और अधिकारियों का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में गाजियाबाद नगर निगम ने कार्यशैली में आधुनिक बदलाव किए हैं।

उन्होंने बताया कि नगर निगम प्रतिदिन की गतिविधियों, निर्माण कार्य, सार्वजनिक सुविधाओं की गुणवत्ता और योजना संचालन में तकनीकी नवाचारों को शामिल कर रहा है। नगर निगम के सभी विभाग योजनाओं के क्रियान्वयन में समयबद्ध और प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं। नगर आयुक्त ने यह भी उल्लेख किया कि प्रत्येक योजना की निगरानी, रखरखाव और संसाधनों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। कार्यक्रम में नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा, नगर विकास प्रमुख सचिव, नीति आयोग की प्रोजेक्ट डायरेक्टर अन्ना रॉय, नगर निकाय निदेशक अनुज कुमार झा, तथा विभिन्न नगर निगमों के आयुक्त उपस्थित थे। गाजियाबाद नगर निगम के विकास कार्यों और योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर अन्य नगर निगमों ने भी अपने अनुभव साझा किए।

उपस्थित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने गाजियाबाद नगर निगम की योजनाओं की सराहना की और इसे अन्य नगर निगमों के लिए मॉडल बताया। नगर आयुक्त ने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम का उद्देश्य केवल स्थानीय विकास नहीं, बल्कि विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में योगदान देना है। उन्होंने कहा कि 2047 तक गाजियाबाद नगर निगम न केवल उत्तर प्रदेश में बल्कि देश और विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफल होगा। नगर निगम के सभी विभाग योजनाओं के संचालन में पूर्ण पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित कर रहे हैं। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम शहर में सभी निर्माण कार्य, सार्वजनिक सुविधाओं का रखरखाव, स्वच्छता, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में तेजी ला रहा है।

उन्होंने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम को अधिक से अधिक हाईटेक बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्राप्त हो सकें। इसके अलावा, नगर निगम भविष्य की योजना बनाते समय शहर के हर क्षेत्र और नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रख रहा है।

कार्यक्रम में नगर आयुक्त ने अन्य नगर निगमों के अधिकारियों से कहा कि विकास की रफ्तार बनाए रखने के लिए नगर निकायों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सहयोग और अनुभव साझा करने से सभी नगर निगमों को विकास की दिशा में मार्गदर्शन मिलेगा। उन्होंने उपस्थित जनों से आग्रह किया कि वे नगर निगम की योजनाओं और प्रयासों का समर्थन करें और विकास के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियानः नगर आयुक्त ने मॉनिटरिंग के लिए लगाए अधिकारी, बीएलओ और मतदाताओं का समन्वय तेज

यू.पी. ऑब्ज़र्वर



- नगर निगम टीम द्वारा मतदाताओं की पहचान में सहयोग, एसआईआर फॉर्म भरवाने और एकत्र करने में तेजी, अधिकारियों ने की मॉनिटरिंग

गाजियाबाद। नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने मॉनिटरिंग के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और विभागीय कर्मचारियों को बूथवार तैनात किया है। अभियान के तहत बीएलओ, मतदाता और नगर निगम टीम मिलकर हर वार्ड में सक्रियता के साथ काम कर रहे हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नगर निगम की टीम न केवल बीएलओ का सहयोग कर रही है, बल्कि मतदाताओं की पहचान, फॉर्म वितरण और सही तरीके से भरवाने में भी मदद कर रही है। अभियान में स्वास्थ्य विभाग के सफाई नायक और सेनेटरी फूड इंस्पेक्टर्स हर वार्ड में जाकर बीएलओ की सहायता कर रहे हैं। नगर आयुक्त के निर्देश पर वरिष्ठ प्रभारी और जोनल प्रभारी बूथों पर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार ने अर्चना और संजय कॉलोनी के बूथों का निरीक्षण किया और कार्यों को रफ्तार देने के लिए स्थानीय बीएलओ के साथ बैठक की।

अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव ने नंदग्राम क्षेत्र के 25 बूथ का दौरा कर कार्यवाही का जायजा लिया और सभी बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं उपमुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. अनुज कुमार सिंह ने इंदिरापुरम क्षेत्र में बूथों का निरीक्षण कर कार्यों में तेजी लाने में जुटे रहे। निर्माण विभाग से अधिशासी अभियंता विपुल और अधिशासी अभियंता देशराज शहीद नगर क्षेत्र के बूथों में बीएलओ का सहयोग करते नजर आए। इसके अलावा नगर निगम के अन्य विभागीय अधिकारी भी विभिन्न वार्डों में मतदाताओं की पहचान और एसआईआर फॉर्म एकत्र करने में जुटे हुए हैं। नगर निगम की टीम ने हर घर तक पहुंच सुनिश्चित की है। सफाई नायकों की टीम वार्डों में जाकर घर-घर संपर्क कर स्ट्रक्र फॉर्म समय पर एकत्र करवा रही है। अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी ने उन बीएलओ और कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया, जिन्होंने तेजी से कार्य किया।

अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि किसी भी तरह की लापरवाही न हो और सभी कार्य समय पर पूरे हों। इस अभियान से मतदाताओं को सही जानकारी मिल रही है और फॉर्म भरने में कोई बाधा नहीं आ रही। नागरिकों का कहना है कि नगर निगम और बीएलओ की टीम द्वारा प्रत्यक्ष सहयोग और मार्गदर्शन मिलने से उन्हें फार्म भरने में आसानी हो रही है।

सीएम योगी ने किया भगवान पार्श्वनाथ जन्म कल्याणम व गुफा मंदिर का लोकार्पण

मुख्यमंत्री योगी ने याद दिलाए विश्व नवकार महामंत्र दिवस से जुड़े मोदी के 9 संकल्प









यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। तरूणसागरम, बसंतपुर सेंतली दिल्ली मेरठ रोड मुरादनगर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भगवान पार्श्वनाथ का जन्म कल्याणम एवं 100 दिवस में नवनिर्मित गुफा का लोकार्पण किया गया। तदोपरांत मुख्यमंत्री द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आयोजकों द्वारा मुख्यमंत्री को कमंडल, माला, चित्र भेंट कर एवं पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम में अपने उद्बोधन के दौरान जैन धर्म से संबंधित कुछ मंत्रों का उच्चारण करते हुए कार्यक्रम समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी सहित अन्य गणमान्यों को उन्हें इस पावन धार्मिक कार्य में आमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया। तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अन्य गणमान्यों को संबोधित करते हुए कहा कि भाइयों और बहनों आज मुझे इस गुफा मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ और क्रांतिकारी संत पूज्य तरूण सागर जी महाराज की स्मृतियों को नमन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, मैं इसके लिए कार्यक्रम प्रबंधकों एवं जैन समिति का आभार व्यक्त करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आध्यात्मिक उन्नयन के लिए सुरक्षित, सुसभ्य और साफ सुथरा वातावरण चाहिए और यह भारत ने ही पहले दुनिया को दिया है और आज भी भारत ही इस कार्य को कर रहा है हमें इस बात पर गर्व होना चाहिए। हम सभी आध्यात्मिक संदेशों और भारत की ऋषि मुनि परंपरा को लेकर बढ़ रहे हैं। यदि हम सभी इसका आत्मसात करते हैं तो यही विश्व मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में विश्व नवकार महामंत्र दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का उद्घाटन किया था। जिसमें उन्होंने नौ संकल्प सभी लोगों को प्रदान किए थे।

जिसमें पानी का बचाव, एक पेड़ मां के नाम, स्वच्छता का मिशन, वोकल फोर लोकल, देश दर्शन, प्राकृतिक खेती, स्वस्थ जीवन शैली अपनायें, योग और खेल को जीवन में लाना और गरीबों के कल्याण के लिए सदैव समर्पित भाव से कार्य करना। जैन समाज द्वारा इस पवित्रता को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। मैंने यहां श्री प्रसन्ना जी महाराज उपाध्याय मुनीश्री पीयूष महाराज की दिनचर्या के बारे में जाना और प्रसन्ना महाराज के बारे में सुना कि उनके द्वारा सुसंपन्न 557 दिनों की अद्भुत, अकल्पनीय, सिंहनिष्क्रीडित व्रत की साधना, जिसमें 496 दिनों के निर्जल उपवास किये और मात्र 61 दिनों की लघु पारणा की। इन चीजों से हमें पता चलता है कि यदि हम संकल्प ले लें तो पिंड में ही ब्रह्मांड समाया यानी हमें जो सब कुछ बाहर दिखाई देता है वह सब हमें अपने शरीर के अंदर ही दिखाई देगा।

इस पवित्र कार्यक्रम पंच कल्याणक महा महोत्सव में भगवान पार्श्वनाथ और क्रांतिकारी संत तरुण सागर जी महाराज के स्मृतियां को देखने एवं पावन गुफा मंदिर के लोकार्पण समारोह में भाग लेकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई है, मैं आयोजकों का आभार व्यक्त करता हूं। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री द्वारा मंदिर प्रांगण में पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महापौर सुनीता दयाल, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप, मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी, सदर विधायक संजीव शर्मा, लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर , भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने बैठक में दिए योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश

वंचित वर्गों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करें: असीम अरुण









यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश शासन के समाज कल्याण विभाग के स्वतंत्र प्रभार मंत्री एवं प्रभारी मंत्री गाजियाबाद असीम अरुण ने प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की। बैठक में केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई तथा लाभार्थियों तक योजनाओं को समयबद्ध ढंग से पहुँचाने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि समाज के वंचित के हित में चलाई जा रही योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पेंशन, छात्रवृत्ति, विवाह अनुदान, आवास सहायता सहित सभी योजनाओं की प्रगति पारदर्शी ढंग से सुनिश्चित की जाए।

असीम अरुण ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि पात्र व्यक्तियों की पहचान में तेजी लाते हुए प्रत्येक लाभार्थी को योजनाओं से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। जनप्रतिनिधि और अधिकारी समन्वय बनाकर पात्र लोगों को लाभ पहुंचाएं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से यह भी अपेक्षा की कि वे स्थानीय स्तर पर समस्याओं की जानकारी देकर प्रशासन को बेहतर कार्य के लिए सहयोग करें। बैठक में विधायक संजीव शर्मा, विधायक डॉ मंजू सिवाच, विधायक नंदकिशोर गुर्जर, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, भाजपा जिला अध्यक्ष सहित पुलिस कमिश्नर जे० रविंद्र गौड़, जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

भारतीय संविधान दिवस पर निगम मुख्यालय सहित जोनो में भी आयोजित हुए कार्यक्रम

महापौर सुनीता दयाल ने प्रस्तावना का कराया वाचन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर निगम मुख्यालय में भारतीय संविधान दिवस के उपलक्ष में भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। महापौर सुनीता दयाल की अध्यक्षता में कार्यक्रम की शुरूआत कराई गई। जिसमें पार्षदों तथा निगम अधिकारियों व कर्मचारियों को भी प्रस्तावना का वाचन कराया गया। कार्यक्रम के अंत में महापौर द्वारा भारतीय संविधान की महत्वता पर विचार रखे गए सभी नागरिकों को समान अधिकार मिला है। जिसका सदुपयोग करना हमारी जिम्मेदारी है उसको समझते हुए संविधान के प्रति सच्ची आस्था निष्ठा रखते हुए प्रतिदिन कार्यों को करना बेहद आवश्यक है। जिससे आने वाली पीढ़ी भी संविधान के प्रति वफादारी से कार्य करेगी।

कार्यक्रम में अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, लेखाधिकारी अनुराग, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी सुनील कुमार राय, व अन्य निगम के अधिकारी हुए कर्मचारी उपस्थित रहे। पार्षद आनंद गौतम, नितिन कुमार, प्रवीण कुमार मुलायम, सुभाष चौधरी व अन्य उपस्थित रहे। जिनके द्वारा भारतीय संविधान की प्रति सत्य निष्ठा के साथ शहर हित में कार्य करने के लिए विचार रखते हुए कर्मचारियों को भी जागरूक किया गया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार निगम मुख्यालय के साथ अन्य सभी जोनल कार्यालय में भी भारतीय संविधान दिवस कार्यक्रम आयोजित किए गए।





गाजियाबाद नगर निगम की स्कूलों में भी भारतीय संविधान पर गोष्ठी का आयोजन किया गया तथा छात्राओं को भी भारतीय संविधान के प्रति सत्य निष्ठा रखने के लिए जागरूक किया गया। प्रधानाचार्या अंतिमा चौधरी के नेतृत्व में स्कूल की छात्राओं तथा अध्यापिकाओं को भी भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर उत्साहित किया गया। छात्राओं द्वारा दुर्गा भाभी चौक चंद्रपुरी तथा अन्य क्षेत्र में भव्य रैली भी निकाली गई तथा अध्यापिकाओं द्वारा संविधान के विषय पर पोस्टर कंपटीशन का भी आयोजन कराया। भारतीय संविधान में महिलाओं की भूमिका को भी उजागर किया गया। प्रधानाचार्या अंतिमा चौधरी द्वारा बताया गया नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार गाजियाबाद नगर निगम के सभी स्कूलों में भारतीय संविधान दिवस के कार्यक्रम आयोजित हुए हैं। डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी संविधान निर्माण में उनके महान योगदान को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। इसके बाद विद्यालय की सभा में छात्राओं को संविधान की महत्ता के बारे में अवगत कराया गया।

क्षेत्र का विकास ही मेरा परम धर्म है: संजीव शर्मा



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सदर विधायक संजीव शर्मा विधानसभा क्षेत्र में निरंतर विकास कार्यों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए शुक्रवार को कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का शुभारम्भ किया। वार्ड 35, अकबर-बहरामपुर में देवेंद्र पाल के मकान से कैलाश यादव के मकान तक नाली एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया गया, जिसकी अनुमानित लागत 22 लाख रुपये है। इसी वार्ड में श्याम दत्त के मकान से माता मंदिर तक नाली एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया गया, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 6 लाख रुपये है।

वार्ड 2, रघुनाथपुरी में देवेंद्र के मकान से सुरेंद्र के मकान तक, प्रमोद से नन्द किशोर तक और सुरेंद्र के मकान से पुष्पेंद्र के मकान तक नाली एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स के निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया गया, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 15 लाख रुपये है। शहर विधायक संजीव शर्मा के मीडिया प्रभारी अजय चोपड़ा ने बताया कि इसके अलावा भी विधानसभा में अनेक विकास कार्य जनता-जनार्दन की सुख-सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए शीघ्र प्रारम्भ होने वाले हैं। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना उनका परम कर्तव्य है, और विकास कार्यों की यह गति भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी।

डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

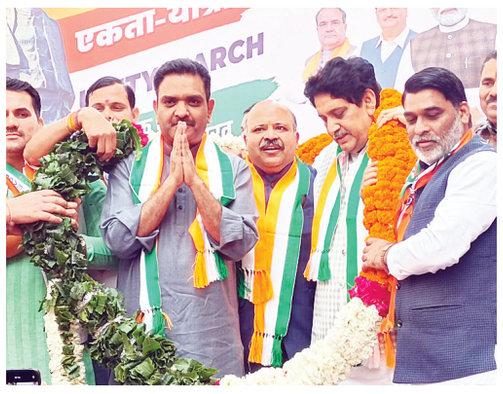
यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और रखरखाव का जायजा लेने के लिए किया गया। निरीक्षण के दौरान, जिलाधिकारी ने सीसीटीवी व्यवस्था, साफ-सफाई और रखरखाव का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ईवीएम वेयरहाउस में सुरक्षा, साफ-सफाई और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का नियमित रूप से पालन किया जाए। वेयरहाउस में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर दुरुस्त रखी जाएं। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों में बीजेपी से सुभाष चन्द्र शर्मा, समाजवादी पार्टी से ताहिर हुसैन, कांग्रेस पार्टी से राजेन्द्र शर्मा व बीएपी से मनोज कुमार सहित निर्वाचन के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।



एकता और अखंडता ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति: असीम अरुण









यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भारत रत्न, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर खोड़ा-मकनपुर क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी द्वारा एकता और राष्ट्रभाव को समर्पित भव्य एकता पदयात्रा का आयोजन किया गया। क्षेत्र में निकली इस पदयात्रा ने न केवल संगठन की जनसंपर्क शक्ति का परिचय दिया, बल्कि नागरिकों में राष्ट्रीय एकता, भाईचारे और राष्ट्रनिर्माण को लेकर नया उत्साह भी जगाया। कार्यक्रम का नेतृत्व कैबिनेट मंत्री एवं साहिबाबाद विधायक डॉ. सुनील शर्मा तथा भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने किया, जबकि कार्यक्रम में स्वतंत्र प्रभार मंत्री असीम अरुण मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

भारत माता एवं सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर यात्रा का शुभारंभ किया गया। पूरे क्षेत्र में भारी जनसमूह, राष्ट्रभक्ति के नारों और संगठन की ऊर्जा ने वातावरण को देशभक्ति से सराबोर बना दिया। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं और नागरिकों में जोश और अनुशासन दोनों देखने को मिले, जिससे पदयात्रा एक ऐतिहासिक रूप में परिवर्तित हुई। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी, समर्पित कार्यकर्ता और सम्मानित नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रमुख रूप से सरदार एस.पी. सिंह, रीना भाटी, कार्यक्रम संयोजक पंकज भारद्वाज (किसान मोर्चा अध्यक्ष), कार्यक्रम सह-संयोजक नवनीत मित्तल, महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, सह मीडिया प्रभारी धीरज अग्रवाल, जीतू राय, पंकज लड्ढू, योगेश भाटी, देवेंद्र यादव, विनय गुप्ता, दविंदर गिरी, वेद प्रकाश जाटव, पंडित आर.डी. शर्मा, पुष्पेंद्र गुप्ता, पंकज वाल्मीकि, पूर्व पार्षद अभिनव जैन, धीरज शर्मा, प्रयाम सक्सैना सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थिति दर्ज कराई।

खोड़ा-मकनपुर में निकली यह ऐतिहासिक यूनिटी यात्रा सरदार पटेल के अखंड भारत के संकल्प को एक बार फिर सशक्त रूप में स्थापित करती है। कार्यक्रम ने स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया कि भारतीय जनता पार्टी आज भी एकता, सेवा और राष्ट्रनिर्माण की अपनी मूल भावना को पूरी शक्ति और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रही है।

राष्ट्रहित से बढ़कर कुछ नहीं है: असीम अरुण

मुख्य अतिथि असीम अरुण ने अपने संबोधन में कहा कि सरदार पटेल ने अपने अटूट संकल्प और अद्भुत प्रशासनिक कौशल से देश को एकसूत्र में पिरोया। उनकी 150वीं जयंती पर निकली यह पदयात्रा हमें याद दिलाती है कि राष्ट्रहित से बढ़कर कुछ नहीं है, और एकता ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सरदार पटेल के आदर्शों और भारत की एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर जनसेवा में जुटी है।

सरदार पटेल के विचार हमें समर्पण, अनुशासन और सेवा का संदेश देते हैं: सुनील शर्मा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. सुनील शर्मा ने कहा कि खोड़ा-मकनपुर की जनता ने भारी संख्या में उपस्थित होकर यह सिद्ध कर दिया कि राष्ट्रहित, विकास और एकता ही हमारा मार्ग है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के विचार हमें समर्पण, अनुशासन और सेवा का संदेश देते हैं, और भाजपा सरकार उन्हीं सिद्धांतों पर कार्य करते हुए हर नागरिक की सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

विकास के मार्ग पर भाजपा के साथ मजबूती से खड़ी है जनता: मयंक गोयल

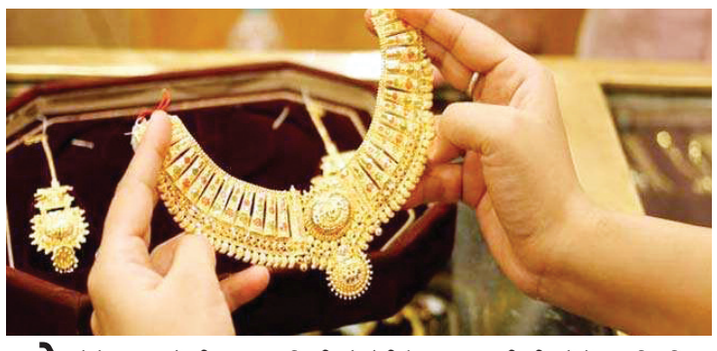
भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने पदयात्रा को संगठन की शक्ति का प्रतीक बताते हुए कहा कि खोड़ा-मकनपुर में उमड़े जनसैलाब ने यह प्रमाणित कर दिया है कि जनता राष्ट्रीय एकता और विकास के मार्ग पर भाजपा के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रभाव और संगठन की जीवंत अभिव्यक्ति है।

सम्पादकीय

मुस्लिम वोट के लिए ममता का एसआईआर विरोध

बिहार में राजद–कांग्रेस विपक्षी महागठबंधन की करारी शिकस्त के बाद पश्चिमी बंगाल में वर्ष 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए चौसर बिछ गई है। इस चौसर पर तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो और पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोई भी दाव हाथ से नहीं देना चाहती हैं। यही वजह है कि ममता बनर्जी एसआइआर का जम कर विरोध कर रही है। इस विरोध की जड़ में छिपा हुआ है ममता का मुस्लिम वोट बैंक प्रेम। ममता एक तरफ अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्या शरणार्थियों को बसाने का पुरजोर समर्थन करती रही हैं। ममता का प्रयास है कि भाजपा उत्तर भारत के राज्यों की तरह पश्चिम बंगाल में वोटों का ध्रुवीकरण नहीं कर पाए। इसलिए ममता मुस्लिम वोट बैंक के खिसके बगैर हिन्दू वोट बैंक को भी साधने की फिराक में है। पश्चिम बंगाल के 294 सीट के लिए मार्च-अप्रैल 2026 को विधानसभा चुनाव होना है। यह चुनाव राजनीतिक दृष्टिकोण से बेहद अहम माना जा रहा है। इस चुनाव को राज्य की सत्ता पर दोबारा कब्जा जमाने की कोशिश कर रही सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी दलों के लिए एक निर्णायक युद्ध के रूप में देखा जा रहा है। मौजूदा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी जहां लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है, वहीं भाजपा, वाम दल और कांग्रेस भी नए गठबंधनों और रणनीतियों के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। यही वजह है कि ममता एसआइआर को विरोध का राजनीतिक हथियार बना लिया है। पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में जब से वोटर लिस्ट के एसआईआर करने की प्रक्रिया शुरू हुई है। इसके बाद से पश्चिम बंगाल से अवैध रूप से बॉर्डर पार कर बांग्लादेश जाने वाले लोगों की तादाद बढ़ गई है। दोनों देशों में अवैध रूप से सीमापार करके आने-जाने का यह सिलसिला पहले घुसपैठियों के अलावा अधिकतर तस्करों के बीच होता था। लेकिन अब जिस तरह से भारत से बांग्लादेश जाने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। इसे घुसपैठियों का बांग्लादेश वापस लौटना माना जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से पश्चिम बंगाल से लगते भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर हलचल तेज है। इसमें कुछ लोग पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश जाने की कोशिश कर रहे हैं। जिसमें कुछ कामयाब भी हो रहे हैं। हालांकि, बॉर्डर पर चौकस बीएसएफ को देखकर ऐसे लोग जंगलों में भाग जाते हैं। लेकिन बीएसएफ की नजर में ऐसे कुछ मामले आ रहे हैं। जिनमें पश्चिम बंगाल में एसआईआर शुरू होने के बाद बांग्लादेश की तरफ जाने वालों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। बिहार के बाद चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में एसआईआर शुरू करने की प्रक्रिया चार नवंबर से शुरू की थी। चार दिसंबर तक वोटरों को एनुमरेशन फार्म बांटे जाने और वापस लिए जाने हैं।

सोना 1.30 लाख के पार, जनता में बढ़ रही घबराहट?



सोने के आभूषणों की चाहत हर किसी को होती है। मगर इसकी कीमतों में आए दिन जिस तरह का उछाल देखने को मिल रहा है, उससे समाज का एक बड़ा वर्ग सोने की खरीदारी करने की हैसियत से बाहर होता जा रहा है। दिल्ली के सराफा बाजार में बुधवार को सोना बारह सौ रुपए की छलांग लगा कर दो सप्ताह के उच्चतम स्तर एक लाख तीस हजार रुपए प्रति दस ग्राम के पार चला गया। मगर सवाल है कि सोने के दाम लगातार नई ऊंचाइयों को क्यों छू रहे हैं? असल में संस्थागत निवेशकों, बड़े आभूषण कारोबारियों, खुदरा विक्रेताओं और आर्थिक रूप से संपन्न लोगों की जबर्दस्त खरीदारी इसका एक बड़ा कारण है। इससे मांग बढ़ रही है और आपूर्ति कम होने से दाम आसमान छू रहे हैं। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, बैंकों की जमा ब्याज दरों में कमी और वैश्विक अनिश्चितता के कारण भी सोने की मांग बढ़ रही है। यह सच है कि कुछ लोग सोने की खरीदारी को सुरक्षित निवेश मान रहे हैं, लेकिन इसके बढ़ते दामों का बाजार और अर्थव्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। यह एक नया परिदृश्य है, जिसमें सोने को अब सुरक्षित और स्थिर निवेश के रूप में देखा जा रहा है। जबकि वित्तीय निवेश तंत्र और मुद्रा में लोगों का भरोसा घट रहा है। दुनियाभर में अस्थिरता का असर भी सोने की कीमतों पर पड़ा है। केंद्रीय बैंक सोने की ज्यादा खरीदारी कर रहे हैं। उनकी अपनी चिंताएं हैं। डालर के मुकाबले रुपया कमजोर हो रहा है। तमाम आशंकाओं और अनिश्चितता की पृष्ठभूमि में अगर सोने की खरीदारी बढ़ रही है, तो इसके पीछे की चिंता को समझा जा सकता है। लोगों को लगता है कि अन्य निवेश के मुकाबले सोने में फायदा है। इसके दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार से तय होते हैं, लिहाजा इसमें किसी का सीधा हस्तक्षेप संभव नहीं है। मगर वैकल्पिक बंदोबस्त किए जा सकते हैं। जब-जब सोने के दाम बढ़ते हैं, महंगाई भी बढ़ती जाती है। चिंता की बात है कि सरकार इसे गंभीरता से लेती नहीं दिख रही है, जबकि सोने में तेजी महंगाई बढ़ने का ही संकेत है।

भारत की महानता का प्रमाण है संविधान

हमारे समाज में माना जाता है कि बच्चा जन्म से ही अपनी मुट्ठी में तकदीर लेकर आता है पर भारतीय समाज की संरचना में यह धारणा सटीक नहीं बैठती। जातियों के जंजाल में फंसे समाज में बच्चे की तकदीर और उसके भविष्य की तस्वीर, दोनों को तय करने में जाति की मुख्य भूमिका रही है। इतिहास गवाह है कि इस विषमतावादी संरचना का समाज को अक्सर खामियाजा उठाना पड़ा है। साथ ही सामाजिक संरचना ने भारत की महानता को इस हद तक प्रभावित किया कि भारत को गुलामी के लम्बे दौर से गुजरना पड़ा। आजादी का सपना सामाजिक पृष्ठभूमि से जन्म लेता है, यानी कि आजादी के कई मायने होते हैं।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम की बात करें तो डा0 अम्बेडकर ने कई बार सामाजिक आजादी के सपने को आकार देने की बात की क्योंकि वो कांग्रेस के स्वतंत्रता आन्दोलन को राजनीतिक आजादी का आन्दोलन अधिक मानते थे। एक तरफ राजनीतिक आजादी के कारण एक निर्दलीय विधायक भी मुख्यमंत्री बन सकता है। महिलाएं भी राष्ट्रपति तक बन सकती हैं। एक दलित महिला बड़े प्रदेश की कई बार मुख्यमंत्री बन सकती है पर आजादी के बाद भी समाज में व्याप्त जातीय शोषण की बढ़ती घटनाएं डा0 अम्बेडकर की आशंकाओं की पुष्टि कर रही हैं। अगर डा0 अम्बेडकर को आजाद भारत के संविधान निर्माण में मुख्य भूमिका निभाने का अवसर न मिलता तो अंदाजा लगा सकते हैं कि आज के भारत की तस्वीर कैसी होती। डा0 अम्बेडकर ने संविधान सौंपते हुए कहा था कि हमने राजनीतिक लोकतंत्र तो हासिल कर लिया है पर अब इसे सामाजिक लोकतंत्र में बदलना सत्ताधारियों की जिम्मेदारी है।



समाज का रूढ़िवादी वर्ग अक्सर संविधान की मूल भावना के विरूद्ध रहा है और परिवर्तनवादियों ने हमेशा संविधान को दिल से लगाया है। यही कारण है कि भारत में कभी संविधान से खतरा बताकर तो कभी संविधान को खतरे में बताकर सत्ता तक पहुँचने के राजनीतिक प्रयास होते रहे हैं।

हमारे देश की राजनीति लोगों को यह समझाने में असफल रही है कि हमारा संविधान हर उस खतरे से सुरक्षा की गारंटी देता है जो देश की एकता को चुनौती देने का प्रयास करे। भारत में पिछले कुछ वर्षों से संविधान को लेकर फिर से एक राजनीतिक बैचेनी का माहौल देखने को मिल रहा है। कभी डा0 अम्बेडकर को संविधान सभा में पहुंचने से रोकने के प्रयास करने वाली राजनीति ने पिछले लोकसभा चुनावों में संविधान को खतरे में बताकर मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने का प्रयास किया जिसका असर उत्तर प्रदेश में देखने को मिला। लोगों में संविधान के प्रति जागरूकता के अभाव में राजनीति ऐसे प्रभाव छोड़ पाती है। डा0 अम्बेडकर को मानने वाले प्रत्येक वर्ष 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाकर जागरूकता अभियान जरूर चलाते हैं। सरकारी प्रयासों के क्रम में एक अगस्त 2025 को लोकसभा में एक प्रश्न के जवाब में पेश जानकारी के अनुसार संविधान अंगीकरण के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा 26 नवंबर 2024 को एक वर्ष का स्मरणोत्सव प्रारंभ किया गया जिसे संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि संविधान के स्मरणोत्सव अभियान की थीम ''हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान'' लोगों को आकर्षित करती है। जन चेतना में भारत के संविधान के लिए एक दृश्य चिन्ह बनाना, भारत के संविधान के विवरण के बारे में जागरूकता बढ़ाना, संविधान के निर्माण में मुख्य भूमिका निभाने वाले महापुरूषों और राजनेताओं को याद कर उसे सार्वजनिक पटल पर लाना, भारत के लोगों में संविधान के प्रति गौरव की भावना पैदा करना, ऐसे तमाम उद्देश्य उपरोक्त अभियान का हिस्सा बने। उक्त जानकारी मिलने तक करीब 140 करोड़ की आबादी वाले भारत में कुल तेरह हजार सात सौ से अधिक संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें एक करोड़ से अधिक नागरिकों ने भाग लिया।

संविधान को याद करना निश्चित रूप से भारत की आजादी के संघर्ष की याद दिलाता है। हमारा संविधान सामाजिक परिवर्तन और देश की प्रगति की गारंटी देने वाला एक ऐसा दस्तावेज है जो सभी नागरिकों को गर्व की अनुभूति कराता है। यह भी सच है कि उपरोक्त गारंटी को नीति और नीयत के फर्क को मिटाकर ही हासिल किया जा सकता है। डा0 अम्बेडकर को संविधान निर्माण कार्य में प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में अहम जिम्मेदारी देकर राजनीतिक उदारता का परिचय देने का जो प्रयास हुआ, वह राजनीतिक मजबूरी थी या डा0 अम्बेडकर की विद्वता का प्रभाव था, लोग इसका आंकलन अपनी सुविधानुसार करते हैं। संविधान दिवस एक ऐसा दिन है जो केवल एक दस्तावेज को याद करने के लिए नहीं बल्कि उस ऐतिहासिक चिंतन, संघर्ष और दूरदर्शिता को समझने के लिए मनाया जाता है जिसने आधुनिक भारत की नींव रखी। डा0 अम्बेडकर का योगदान सिर्फ संविधान लिखने भर तक सीमित नहीं था बल्कि उन्होंने भारत के सामाजिक ढ़ांचे, न्याय, समानता और मानवाधिकारों की नई परिभाषा गढ़ी।

1946 में जब संविधान सभा का गठन हुआ तब भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा था जहां सामाजिक असमानता जातिगत भेदभाव आर्थिक समानता और औपनिवेशिक शासन की छाया बहुत गहरी थी। देश को एक ऐसी रूपरेखा चाहिए थी जो न केवल शासन चलाने में सक्षम हो बल्कि सामाजिक न्याय और समान अवसर भी सुनिश्चित करें। इसके लिए जरूरी है कि संविधान की साक्षरता का देशव्यापी कार्यक्रम भी चलाया जाना चाहिए जिसकी शुरूआत स्कूली बच्चों को संविधान की संक्षिप्त प्रति वितरित करके की जा सकती है। जब सरकार स्कूली बच्चों को मुफ्त पुस्तकें उपलब्ध करा सकती है तो संविधान की प्रतियां भी उपलब्ध करा सकती है। संविधान सभा में देश के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व शामिल था। संविधान हमारी आजादी का एक ऐसा दस्तावेज है जो हमें दुनिया को संदेश देता है कि आजाद भारत की महानता का प्रमाण है संविधान। इस महानता को बनाए रखने के लिए जरूरी है कि हम संवैधानिक उद्देश्यों की प्राप्ति को सुनिश्चित करें।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ, वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते, तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके, ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा, बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया, और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात् देखा गाया, भगवान राम का दिव्य जीवन)

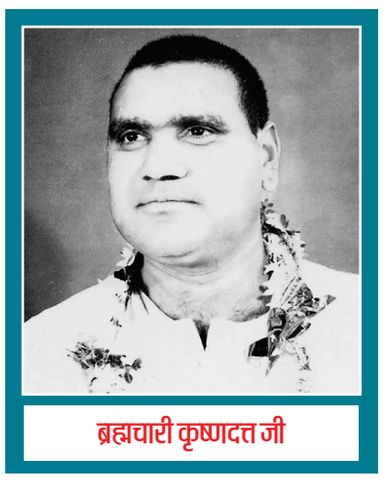
भाग 44

गतांक से आगे ....

राम को प्रतीत हो गया था कि मेरी माता कैकेयी मुझे वन के लिये विवश कर रही है और मुझे वन जाना है। राम तपे हुए थे। कुछ तो माता के गर्भस्थल में तपे, कुछ माता की लोरियों में तपे, कुछ आचार्य के गृह में तपे, कुछ विश्वामित्र के आश्रम में तपे, कुछ भारद्वाज मुनि के द्वारा तपे थे। वशिष्ठ के द्वारा ऋषि भारद्वाज मुनि के आश्रम में जब वह अहिल्या कृतिभा यन्त्रों का निरीक्षण कर रहे थे, निर्माण कर रहे थे, उस समय यह उन्होंने प्रतिज्ञा की थी कि मुझे महापुरुषों की अस्त्रों-शस्त्रों से रक्षा करनी है, मुझे महापुरुषों की सेवा में रहना है।

ऐसा उनका वचन था। माता कौशल्या जी जब राम को लोरियों का पान कराती रहतीं, तो यह कहती रहती थी कि ''हे बालक ! हे राम ! तूने मेरे गर्भस्थल से जन्म पाया है, तेरा कर्त्तव्य है कि तू महापुरुष बन, तू महादेवत्व बन, तुझे देवत्व को प्राप्त करना है, दैवी सम्पदा में जाना है, दैत्यों का हनन करना है। तुझे महापुरुषों की सेवा करनी है।'' माता के हृदय के उद्गार बालक के अन्तःकरण में ओत-प्रोत हो जाते थे।

राम ने जब यह श्रवण किया कि माता कैकेयी की यह कामना है कि मुझे वन जाना है तो वह भी शोक-भवन में जा पहुँचे। शोक-भवन में कैकेयी विद्यमान है। राम ने कैकेयी के चरणों को स्पर्श किया। कैकेयी ने कहा ''धन्य हो ! पुत्र ! आज तुम मेरे द्वार पर आये हो, मेरी इच्छा है कि तुम चौदह वर्ष के लिये वन चले जाओ।'' राम ने कहा ''मेरी तो यह कामना रहती है, मातेश्वरी ! कि मुझे माताओं की आज्ञा का पालन करना है। जिन माताओं के गर्भस्थल में मेरा जीवन पनपा है, यदि मैं उन माताओं की आज्ञा का पालन नहीं करूँगा तो मेरे पुत्र होने का अस्तित्व ही क्या है ?'' राम कहते हैं ''मातेश्वरी ! तुम्हारा जो अन्तःकरण है, उसमें कुछ और भावना है, बाह्य-जगत् में कुछ और भावना है, मैं वन अवश्य



ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

जाऊँगा। मातेश्वरी ! तुम्हारे हृदय में जितनी प्रीति है, उस प्रीति को मैं जानता हूँ परन्तु तुम्हारे समीप कोई ऐसी विवशता आ गयी है, जिससे तुम मुझे यह उच्चारण कर रही हो कि तुम वन चले जाओ। मैं वन जा रहा हूँ। ''माता के चरणों को स्पर्श किया और राजसी वस्त्रों को उन्होंने अपने से दूर कर दिया।

प्रवचन सन्दर्भ २३ अप्रैल १९७७,

माता कैकेयी के समीप भारद्वाज का पत्र था और भारद्वाज मुनि ने यह कहा था कि इस राष्ट्र के चरित्र की रक्षा करनी है, विज्ञान की रक्षा करनी है और वेद की रक्षा करनी है, समाज को पवित्रता में लाना है तो राम को यहाँ राष्ट्रीय परम्परा की स्थापना (राजा के रूप) में नहीं होना चाहिये।

माता कैकेयी चारों वेदों का अध्ययन करने वाली विदुषी थी। कौशल्या भी चारों वेदों का अध्ययन करने वाली विदुषी थी। ऋषि-मुनियों ने शिक्षा दे करके राम जैसे महापुरुषों का निर्माण किया। माता कैकेयी ने अपने पुत्र राम को जान करके भयक्रार वनों को जाने की आज्ञा दी और कहा कि ''तुम भयक्रर वनों में जाओ। पिता की मृत्यु तो आज नहीं तो कल होनी है। परन्तु यह जो अयोध्या के लाखों प्राणी 'त्राही-त्राही' करेंगे इनकी सुरक्षा होनी चाहिये। इनके प्राणों की रक्षा होनी चाहिये।''ऐसा उन्होंने कहा।

महर्षि वाल्मीकि ने अपनी लेखिनीबद्ध करते हुए कहा कि ''भगवान राम को जब वन प्राप्त हुआ, तो इसमें माता कैकेयी का दोष नहीं था, यह राजा दशरथ की आज्ञा नहीं थी, यह ऋषि-मुनियों की आज्ञा थी।'' बाल्यकाल में वशिष्ठ मुनि ने राम से कहा था कि ''हे राम ! यह जो रावण आतताई हो रहा है, जिसने अराजकता उत्पन्न कर दी है, उसको तुम्हें विजय करना है और अपनी संस्कृति का प्रचार करना हैं।'' भगवान राम ने भील और द्रविड़ जो भयक्रर वनों में रहते थे, उन्हें अपनाया और अपनाने के पश्चात् एक सुंदर मार्ग लेकर चले। क्योंकि माता कैकेयी ने यह कहा था कि ''राष्ट्र की उन्नति होनी चाहिये।'' राम के वनवास में माता कैकेयी का कोई दोष नहीं था, वशिष्ठ, विश्वामित्र, देवर्षि नारद, सोम और लोमश इत्यादि ऋषियों ने ऐसा निर्णय कराया था। यह एक प्रकार की ऋषि-मुनियों की ब्राह्मणों की विचारधारा थी। प्रवचन सन्दर्भ ६-३-१९६९, क्रमशः ....

परमशक्ति में विलीन हुए राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह

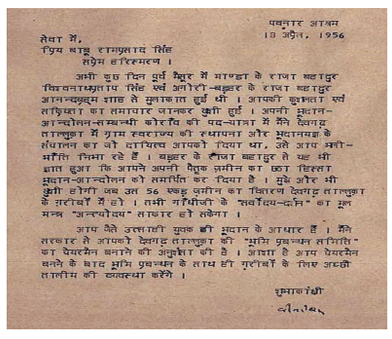
आचार्य विनोबा भावे को 56 एकड़ भूमि दान करके भूदानयज्ञ में आहुति दी थी

आचार्य विनोबा भावे अपने 'पवनार आश्रम' से 325 किलोमीटर दूर तेलंगाना क्षेत्र के 'पोच्चंपल्लि गाँव की यात्रा 18 अप्रैल, 1951ई. को आचार्य विनोबा भावे ने भूदान के निमित्त पूर्ण की। उस ग्राम के जमींदार रामचन्द्र रेड्डी ने सर्वप्रथम 100 एकड भमि आचार्य विनोबा भावे को दान में दी थी, जिसे उन्होंने उसी गाँव के भूमिहीन किसानों को दे दिया। यहीं से विनोबा के राष्ट्रव्यापी भूदान यज्ञ का सूत्रपात हुआ। सन्त विनोबा भावे पदयात्राएँ करते और गाँव गाँव जाकर बड़े भूस्वामियों से अपनी जमीन का कम से कम छठा हिस्सा भूदान के रूप में भूमिहीन किसानों के बीच बाँटने के लिए देने का अनरोध किया करते थे। उन्होंने पाँच करोड एकड जमीन दान में प्राप्त करने का लक्ष्य रखा था, जो भारत में तीस करोड एकड जोतने लायक जमीन का छठा हिस्सा था।

आन्दोलन के प्रारम्भ में आचार्य विनोबा भाव ने करीब 200 गाँवों की यात्रा की थी और उन्हें 12,200 एकड भूमि मिली। इसके बाद भूदान-आन्दोलन उत्तर भारत ' की तरफ अग्रसर हआ। माण्डा के राजा बहादुर राजर्षि विश्वनाथप्रताप सिंह एवं अगोरी-बडहर के राजा बहादुर आनन्दब्रह्म शाह ने आचार्य विनोबा भावे के इस अनष्ठान में मुक्तहस्त सहयोग किया। देवगढ ताल्लुका के जमींदार राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह स-1955 ई. में आचार्य विनोबा भावे के सम्पर्क में आये। आचार्य विनोबा भावे की ओजस्वी वाणी का प्रभाव राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह को सर्वोदयी विचारधारा का प्रबल समर्थक बना दिया। रजय जगत एवं 'सबै भूमि गोपाल की' जैसे प्रेरक वाक्य जीवन के सूत्र बन गये। उन्होंने 56 एकड़ जमीन आचार्य विनोबा भावे को प्रदान किया। इक्कीस वर्ष की अल्पवय में लिए गए इस निर्णय ने राजर्षि बाब रामप्रसाद सिंह के जीवन- दर्शन को परिवर्तित कर दिया। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी, सन्त विनोबा भावे और बाबा आमटे का प्रभाव बाबू रामप्रसाद सिंह को एक नयी चेतना से अनुप्राणित करता है। उन्होंने आजीवन गरीबों एवं निर्बलों की सेवा का व्रत स्वीकार किया। भूदान-आन्दोलन की पाँचवी वर्षगाँठ के अवसर पर आचार्य विनोबा भावे ने राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह के नाम जो पत्र लिखा था, उससे उनके प्रति विनोबाजी के वात्सल्य भाव का बोध होता है।

विनोबाजी की अनुशंसा पर उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमन्त्री सम्पूर्णानन्द ने राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह को 'भूमि प्रबन्धन समिति' का मानद अध्यक्ष नियुक्त किया था। स-1957 से स-1962 तक के अपने कार्यकाल में महात्मा गाँधी. सन्त विनोबा एवं बाबा आमटे के आदर्शों को क्रियान्वित करते हए राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह ने देवगढ ताल्लुका के समस्त भूमिहीनों को पर्याप्त भूमि का पट्टा किया। 'भूमि प्रबन्धन समिति' के चेयरमैन का आनरेरी पद उस समय अत्यन्त महत्त्वपर्ण था। चेयरमैन के अधिकार





पवनार आश्रम
10 जुलाई, 1956

सेवा में,
प्रिय बाबू रामप्रसाद सिंह
देवरिया हरिजनश्रम ।

अभी कुछ दिन पूर्व मुझे मैं भाण्डा के राजा बहादुर विश्वनाथप्रताप सिंह एवं अगोरी-बडहर के राजा बहादुर आनन्दब्रह्म शाह से मुलाकात हुई थी । आपकी कुशलता एवं तन्दिरुस्ती का समाचार जानकर खुशी हुई । आपने भूदान-आन्दोलन-सम्बन्धी कोरपि की पद-यात्रा में मैंने देवगढ़ तालुका में ग्राम स्वराज्य की स्थापना और भूदानयज्ञ के संचालन का दायित्व आपको सौंपा था. उसे आप अच्छी-भाँति निभा रहे हैं । बडहर के राजा बहादुर से यह भी ज्ञात हुआ कि आपने अपनी पैतृक जमीन का छठा हिस्सा भूदान-आन्दोलन को समर्पित कर दिया है । मुझे और भी खुशी होगी जब उस 56 एकड़ जमीन का वितरण देवगढ़ तालुका के हरीजनों में हो । तभी गरीबी के 'सर्वोदय-कार्ड' का मूल मन्त्र "अन्त्योदय" सरकार दे सकेगा ।

आप जैसे उत्साही युवक भी भूदान के आधार हैं । मैंने सरकार से आपको देवगढ़ तालुका की "भूमि प्रबन्धन समिति" का चेयरमैन बनाने की अनुशंसा की है । आशा है आप चेयरमैन बनने के बाद भूमि प्रबन्धन के साथ ही गरीबों के लिए अच्छी तालीम की व्यवस्था करेंगे ।

शुभाकांक्षी
विनोबा

वर्तमान समय के एस.डी.एम. के अधिकार के बराबर थे। बाबू रामप्रसाद सिंह ने अपने अधिकार का प्रयोग अन्त्योदय के लिए किया। गरीब, पीड़ित, शोषित, पददलित के अधिकार के लिए बराबर संघर्ष किया। अपने सामाजिक दायित्व एवं गार्हस्थ जीवन का उत्तरदायित्व निभाते हए राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह जब तक स्वास्थ्य ठीक था, तब तक नियमित रूप से सूत कातते थे। अपने काते हुए सूत वे अपने पुरोहित पण्डित ओंकारदेव पाण्डेय को दिया करते थे, जिसका उपयोग यज्ञोपवीत (जनेऊ) के निर्माण में होता था। राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह सूत कातने को उपासना समझते थे। अपने मिलने-जुलने वालों से वे कहा करते थे- सबको एक जगह आकर राष्ट्र के लिए उपासना करनी चाहिए। गाँधीजी ने ऐसी उपासना बतायी- सूत कातने की। हम सब एक हैं, इसके प्रतीक के तौर पर रोज सूत कातने का नियम करना चाहिए। गाँधीजी का कहना था कि हर एक व्यक्ति को चाहिए कि वह ईश्वर की भक्ति के लिए प्रेम की शक्ति के निर्माण के लिए रोज सूत कातने का संकल्प करे।' इसी क्रम में राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह सन्त विनोबा की मराठी कविता की यह पंक्तियाँ सुनाते थे-

कल्याणकारी शक्तिशाली सर्वलभ्य उपासना।
चित्ति मुरो विश्वान्त पसरो हीच माझी वासना।

मेरी यही वासना है कि कल्याणकारी, शक्तिशाली एवं सर्वसलभ उपासना मेरे चित्त में स्थिर हो जाय और विश्व में फैले। अपने काते गये सूत से बननेवाले यज्ञोपवीत के महत्त्व को समझाते हुए राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह कहते थे- 'लन्दन के क्वीन एलिजाबेथ चिल्ड्रेन हॉस्पिटल के भारतीय मूल के डॉ एस.आर. सक्सेना के अनुसार हिन्दुओं द्वारा मलमूत्र त्याग के समय कान पर जनेऊ लपेटने का वैज्ञानिक आधार है। ऐसा करने से आँतों की आकर्षण गति बढती है, जिसे कब्ज दूर होती है तथा मूत्राशय की मांसपेशियों का संकोच वेग के साथ होता है। कान के पास की नसें दाबने से बढे हए रक्तचाप को नियन्त्रित तथा कष्ट से होने वाली श्वासक्रिया को सामान्य किया जा सकता है। इसी क्रम में वे स्मरणशक्ति और नेत्र-ज्योति बढानेवाले 'कर्णपीडासन' का उल्लेख करते हए कहते थे- 'कान पर कस कर जनेऊ लपेटने से कर्णपीडासन के सभी लाभों की प्राप्ति होती है।' यज्ञोपवीत-माहात्म्य के सन्दर्भ में राजर्षि बाबू रामप्रसाव सिंह इटली के बारी विश्वविद्यालय के न्यरोसर्जन प्रो. एनारिका पिरांजेली का उल्लेख करना नहीं भलते थे। वे बताते थे कि पिरांजेली ने यह सिद्ध किया हैकि कान के मूल में चारों तरफ दबाव डालने से हृदय मजबृत होता है। पिरांजेली ने हिन्दुओं द्वारा कान पर लपेटी गयी जनेऊ को हृदय-रोगों से बचानेवाली ढाल की संज्ञा दी है।' अपने काते सूत से निर्मित जनेऊ का महत्त्व जन जन को समझा कर राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह, गांधी और विनोबा की सर्वलभ्य उपासना का प्रचार-प्रसार करते रहे।

सन् 1972 से सन् 1990 तक देवगढ के निर्विरोध प्रधान रहे राजर्षि वाबू रामप्रसाद सिंह बात बात में बाबा आमटे के सूत्र वाक्य- 'हाथ लगे निर्माण में, नहीं माँगने, मारने में का उल्लेख करते थे।

आज 94 वर्ष के होकर ब्रह्मलोक गमन करने वाले अन्त्योदय के साधक राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह आज मौन हो गए हैं। आत्मश्लाघा से सदैव दर रहकर कार्य करने की संस्कति ही उनकी जीवनी शक्ति रही है। सन्त विनोबा की चेतना उनके रग रग में बसी रही। भूदानयज्ञ के माध्यम से विनोबाजी ने जिस समर्थ भारत की परिकल्पना की थी, उसमें राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह जैसे कर्मशील अन्यायियों का बहत बडा योगदान था। आचार्य विनोबा भावे को उत्तर प्रदेश में 4,36,362 एकड जमीन दान में प्राप्त हुई, जिसमें 56 एकड़ का योग प्रदान करने का गौरव राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह के कारण देवगढ को भी प्राप्त है। देवगढ को विनोबाजी से जोडनेवाले राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह का सेवापरायण जीवन महाराज रन्तिदेव के निम्नांकित कथन को अक्षर अक्षर चरितार्थ करता है-

न कामये२हं गतिमीश्वरात्परम् अष्टर्द्धियुक्तामपुनर्भवं वा। आर्ति प्रपद्ये२खिल देह भाजाम्
अन्तःस्थितो येन भवन्त्युदःखा।।'

निश्चय ही राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह अपने वंश-परिवार की मयार्दा को बढानेवाले, गाँधी, विनोबा और आमटे के सच्चे अनुयायी और समाज के दिग्बोधक मौन साधक हैं। काव्याचार्य पण्डा दुर्गादत्त उपाध्याय 'दत्त' ने उनके इन्हीं गुणों की प्ररोचना करते हए ठीक ही लिखा है-

ब्रह्मात्रिचन्द्रगण्डानां भूपतीनां कुले क्रमात।
देवगढे२भवच्छ्रीमान् रामसिंहो नरोत्तमः।।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादक: चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइल: 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

बागपत के खिलाड़ियों को मिला मेरठ मंडल का पहला सिंथेटिक रनिंग ट्रैक

विश्व बंधु शास्त्री



बागपत। उत्तर प्रदेश में बागपत के छपरौली कस्बे में जनपद के खिलाड़ियों के लिए मेरठ मंडल का पहला सिंथेटिक ट्रैक मिला हैं। शनिवार को बागपत जनपद में खेल सुविधाओं को विस्तार देने के लिए केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयन्त चौधरी ने छपरौली स्थित श्री विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में 82 लाख रुपये की सांसद निधि से निर्मित 200 मीटर सिंथेटिक रनिंग ट्रैक का लोकार्पण किया गया।

लोकार्पण के बाद जयंत चौधरी ने स्वयं भी युवाओं संग ट्रैक पर दौड़ लगाकर फिटनेस का संकल्प दोहराया और खिलाड़ियों से संवाद में कहा कि नियमित अभ्यास से ही उत्कृष्ट खिलाड़ी तैयार होते हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है।

बस जरूरत है सही सुविधाओं और मंच की। ह्लस्पोर्ट्स ऐज मेरठह्व अभियान के तहत मेरठ को राष्ट्रीय स्तर पर खेल हब बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनप्रतिनिधियों के सहयोग से 3 वर्षों में 10 करोड़ रुपये की निधि से खेल संरचनाओं को मजबूत किया जाएगा। इसके तहत विभिन्न जगहों पर स्टेडियम, कोर्ट और अन्य खेल सुविधाओं में निवेश होगा।

उन्होंने कहा, यह ट्रैक मेरठ मंडल में अपनी तरह का पहला सिंथेटिक रनिंग ट्रैक है, जिसे यूपीएसआईसी द्वारा महज छह महीने में तैयार किया गया। इ

सकी गुणवत्ता, डिजाइन और तकनीकी मानक राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप हैं, जिससे यह ग्रामीण क्षेत्र में उपलब्ध होने वाली अब तक की सर्वश्रेष्ठ खेल सुविधाओं में से एक बन गया है।

उन्होंने कहा, बागपत जिले में सुविधा राष्ट्रीय अभियानों जैसे 'फिट इंडिया' और 'खेलो इंडिया' के उद्देश्यों को भी मजबूत करती है। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए इन मिशनों का मुख्य लक्ष्य जन-जन में फिटनेस की भावना जगाना और देशभर से नई खेल प्रतिभाओं को उभारना है।

विधायक डॉ. अजय कुमार ने भी इसे जनपद की ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और कहा कि यह प्रोजेक्ट क्षेत्र की खेल संस्कृति को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। यह ट्रैक जिस तेजी से खेल सुविधाओं का विकास हो रहा है, वह यह स्पष्ट संकेत देता है कि आने वाले वर्षों में यहां के युवा नई दिशा में अग्रसर होंगे। यह ट्रैक न केवल उनके खेल कौशल को निखारेगा, बल्कि उनके मनोबल, मानसिक दृढ़ता और सामाजिक जुड़ाव को भी मजबूत करेगा। खेलों के माध्यम से युवा अनुशासन सीखते हैं, टीम भावना विकसित होती है और लक्ष्य निर्धारित करना आता है। यह उस परिवर्तन की शुरूआत है जिसे आने वाली पीढ़ियाँ 'बागपत खेल पुनर्जागरण' के नाम से याद करेंगी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी अस्मिता लाल और मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव, छपरौली विधायक डॉक्टर अजय कुमार ,पूर्व मंत्री कुलदीप उज्जवल,जिलाध्यक्ष सुभाष गुर्जर, पूर्व मंत्री कुलदीप उज्ज्वल आदि गण मान्य लोग उपस्थित रहे।

सौर ऊर्जा प्लांट स्थापना से गन्ना विभाग हरित ऊर्जा की दिशा में होगा सशक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर



- गन्ना विकास विभाग के नये कदम से बिजली पर निर्भरता होगी कम
- सौर ऊर्जा विषय पर गन्ना विकास विभाग एवं यू.पी. नेडा की संयुक्त कार्यशाला सम्पन्न।
- गन्ना विभाग की सह-संस्थाओं यथा सहकारी गन्ना समितियों, गन्ना विकास परिषदों, गन्ना भवनों, शोध परिषदों, गन्ना किसान संस्थान में स्थापित होगा सौर ऊर्जा प्लान्ट ।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश एवं प्रदेश सरकार की सौर ऊर्जा नीति के अनुपालन में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने और ऊर्जा स्वावलंबन के दृष्टिगत गन्ना विकास विभाग एवं यू.पी. नेडा की संयुक्त कार्यशाला आज दिनांक 29.11.2025 को गन्ना आयुक्त सभागार में सम्पन्न हुई। इस कार्यशाला में सौर ऊर्जा उत्पादन विषय पर गहन विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर गन्ना आयुक्त ने निर्देश दिया कि गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग के सभी कार्यालय भवनों की छतों पर सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित किये जाने की आवश्यकता है। साथ ही विभाग की सभी सहकारी गन्ना समितियों, गन्ना शोध परिषद, गन्ना किसान संस्थान, चिकित्सालयों, महाविद्यालयों में वृहद् स्तर पर सौर ऊर्जा प्लान्ट लगाये जाने की सम्भावनाओं पर भी गहन विचार विमर्श किया गया है।

गन्ना आयुक्त द्वारा निर्णय लिया गया कि प्रदेश में विभाग के समस्त कार्यालयों की छतों पर अक्षांश एवं देशांतर के आकलन के आधार पर सोलर पैनल स्थापित की जायेगी। इसके लिये समस्त उप गन्ना आयुक्तों को एक सप्ताह के भीतर रूफटॉफ क्षेत्रफल का आकलन रिर्पोट मुख्यालय को प्रेषित करने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही क्षेत्रीय अधिकारी गण प्रत्येक जनपदों में यू.पी. नेडा से समन्वय स्थापित कर विभागीय भवनों की छतों और खाली भूमि का सकारात्मक उपयोग करने की दिशा में सौर ऊर्जा उत्पादन प्लांट की स्थापना करायेंगे, जिससे बिजली की निर्भरता को कम की जा सकेगी। सोलर पैनल्स के उपयोग से कार्बन फुट प्रिंट में उल्लेखनीय कमी आएगी तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

इस कार्यशाला में यू.पी. नेडा के निदेशक इन्द्रजीत सिंह द्वारा गन्ना विभाग के अधिकारियों को सोलर पैनल सिस्टम स्थापित करने की प्रश्नगत प्रक्रियाओं व शंकाओं का विस्तृत समाधान भी प्रस्तुत किया गया। सौर ऊर्जा उत्पादन कार्यशाला में यू.पी. नेडा के साथ-साथ गन्ना विकास विभाग के मुख्यालय व क्षेत्रीय अधिकारी गण भी उपस्थित रहे।

ऑल इंडिया पुलिस कुश्ती में बागपत की रजत विजेता नीलम सम्मानित



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में संतनगर गांव की रहने वाली महिला मल्ल नीलम तोमर के ऑल इंडिया पुलिस कुश्ती क्लस्टर प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने पर गांव के लोगों ने सम्मानित किया।

हरियाणा में करनाल जनपद के मधुबन स्थित वाचर स्टेडियम में 20 से 24 सितंबर तक हुई आल इंडिया पुलिस कुश्ती प्रतियोगिता में संतनगर की महिला मल्ल नीलम तोमर ने 76 किग्रा.भार वर्ग में यूपी पुलिस का प्रतिनिधित्व करते हुए सेमी फाइनल मुकाबले में राजस्थान पुलिस की मनु तोमर को पटखनी दी।

फाइनल में हुए कांटे के संघर्ष में सीआईएसएफ की मंजू से एक अंक के अंतर से हारकर रजत पदक जीता। पदक विजेता मल्ल का ग्रामीणों ने ढोल नगाड़ों व फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया। बिनौली क्षेत्र के बरनावा गांव में हुए कार्यक्रम में गणमान्य ग्रामीणों ने शाल व प्रोत्साहन धनराशि देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर दीपक शर्मा एडवोकेट, मास्टर अरुण त्यागी, सुभाष त्यागी, राजू तोमर सिरसली, अबरार खान, चांद खान, हनीफ कुरैशी, जाकिर, अनीश कुरैशी, आदेश शर्मा, शोराज त्यागी, नकुल त्यागी, लक्ष्मी आदि मौजूद रहे।

बागपत में प्रभारी मंत्री ने कानून-व्यवस्था की समीक्षा कर दिए जनपद को प्रदेश में शीर्ष पर लाने के निर्देश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर



बागपत। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री जसवंत सिंह सैनी ने आज उत्तर प्रदेश में बागपत कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर कानून-व्यवस्था व विकास कार्यों की समीक्षा की।

शनिवार को हुई समीक्षा बैठक में विभागवार प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। प्रभारी मंत्री ने विशेष रूप से सी एवं डी श्रेणी के अधिकारियों को अपनी ग्रेडिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित गरीब-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुँचना शासन की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप सुशासन तभी संभव होगा, जब राशन, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा और सिंचाई जैसी मूलभूत सुविधाएँ हर घर तक पहुंचें।

प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कार्यालयों में समय से उपस्थित हों और आगंतुकों से मृदुल व्यवहार करते हुए जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि बागपत में स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन और स्वच्छता जैसी सुविधाएँ प्रत्येक नागरिक को सहजता से उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारियों को चेतावनी दी कि योजनाएँ केवल कागजों में नहीं, बल्कि धरातल पर दिखनी चाहिएं। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसान समस्याओं के मद्देनजर चीनी मिलों को शीघ्र भुगतान में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बैंक विभाग को कार्यशैली में सुधार कर प्रगति बढ़ाने के निर्देश भी दिए।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध पर ढिलाई बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस विभाग को निर्देश दिए गए कि वे अलर्ट रहें और महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा, महिला सम्मान पर कोई समझौता नहीं, अपराधियों पर सीधा प्रहार होना चाहिए। मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य अंत्योदय है। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना प्रशासन की असली कसौटी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे विजन डॉक्यूमेंट तैयार करें, समय-समय पर स्थलीय निरीक्षण करें और कार्यों का ठोस परिणाम जनता के सामने दिखाई दे।

इस अवसर पर विधायक योगेश धामा, जिलाधिकारी अस्मिता लाल, मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी विनीत उपाध्याय, अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष वेदपाल उपाध्याय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्विगी कंपनी के डिलीवरी पार्टनर को यातायात के प्रति किया जागरूक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर





गाजियाबाद। यातायात पुलिस द्वारा यातायात माह के दौरान सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता के क्रम में शुक्रवार को स्विगी कंपनी के सहयोग से पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में स्विगी डिलीवरी पार्टनर का विशेष जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्विगी कम्पनी के लगभग 100 डिलीवरी पार्टनर ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के दौरान यातायात पुलिस के अधिकारियों ने डिलीवरी पार्टनर को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा उपायों, हेलमेट एवं रिफ्लेक्टिव जैकेट के अनिवार्य उपयोग, ओवरस्पीडिंग, गलत दिशा में चलने, मोबाइल फोन प्रयोग से होने वाले खतरे, आदि के बारे में विस्तार से जानकारी देकर जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त दुर्घटना की दशा में जीवनरक्षक प्राथमिक उपचार के संबंध में महत्वपूर्ण सीपीआर तकनीक का प्रशिक्षण भी डॉक्टर्स की टीम द्वारा दिया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य दुर्घटना के समय तत्काल सही प्राथमिक उपचार प्रदान कर किसी की जान बचाने में सक्षम बनाना है। कार्यक्रम में उपस्थित डॉक्टर्स ने विभिन्न प्रकार की आपातकालीन परिस्थितियों में बरती जाने वाली सावधानियों, बेसिक लाइफ सपोर्ट बीएलएस तकनीक तथा आपातकालीन सेवाओं की जानकारी के बारे में भी अवगत कराया। इस जागरूकता व प्रशिक्षण कार्यक्रम में, जियाउद्दीन अहमद (सहायक पुलिस आयुक्त यातायात प्रथम), समस्त यातायात निरीक्षकों के साथ साथ शिवा खूंटैल जनरल मैनेजर (आईआर/लायजन) स्विगी, मोहित गुप्ता (एएम लायजन) स्विगी, आदर्श शुक्ला (सीनियर ऑपरेशन्स मैनेजर) स्विगी, राहुल सोलंकी (टीम लीडर) स्विगी, प्रशिक्षक, डॉक्टर्स की टीम सहित डिलीवरी बॉय उपस्थित रहे। यातायात पुलिस ने सभी प्रतिभागियों से नियमों का पालन करने, सुरक्षित गति से वाहन चलाने एवं शहर की सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की।

ब्राह्मण समाज ने आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में पुतला फूंका

यू.पी. ऑब्ज़र्वर



खेकड़ा (बागपत)। कस्बे में ब्राह्मण समाज की बेटियों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के विरोध में रविवार को ब्राह्मण समाज के लोगों ने पुलिस चौकी चौराहे पर आईएएस संतोष वर्मा का पुतला फूंका। इससे पहले समाज के लोग जुलूस की शक्ल में बाजार से होते हुए पुलिस चौकी तक पहुंचे और कार्रवाई की मांग की।

वक्ताओं ने कहा कि समाज विशेष पर टिप्पणियाँ किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं हैं, ऐसे मामले में प्रशासन तुरंत संज्ञान ले।

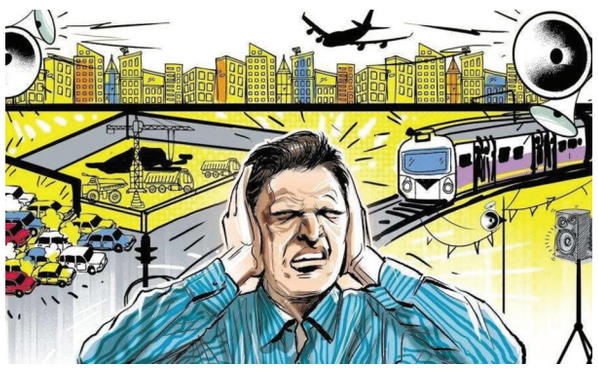
पुतला जलाने से पूर्व प्रदर्शनकारियों ने उसे जूतों व चप्पलों से प्रतीकात्मक रूप से पीटा। विरोध प्रदर्शन में नरेश शर्मा, अजय शर्मा, राकेश कौशिक, हर्ष शर्मा, मुकेश शर्मा, नीरज धामा, रोहित यादव, अरविंद शर्मा, किशन गुप्ता, सुभाष शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी से ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग

ध्वनि प्रदूषण को लेकर प्रभावी जागरूकता की भारी कमी: सिकन्दर यादव

यू.पी. ऑब्ज़र्वर





गाजियाबाद। समाजसेवी सिकंदर यादव ने कहा है कि ध्वनि प्रदूषण को लेकर प्रभावी जागरूकता की भारी कमी है, इसके लिए जागरुकता फैलाये जाने की आवश्यकता है। सिकंदर यादव ने जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड को पत्र लिखकर ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि एनसीआर का प्रमुख शहर गाजियाबाद में वायु प्रदूषण की चपेट में है। यहां वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए नगर निगम प्रयासरत है, वहीं ध्वनि प्रदूषण पर अब तक प्रभावी जागरूकता की कमी देखी जा रही है। शहर में तेज आवाज वाले करने वाले वाहन, डीजे और उच्च ध्वनि वाले हॉर्न के कारण शोर का स्तर लगातार खतरनाक स्थिति को पार कर रहा है। इसका दुष्प्रभाव न केवल नागरिकों पर बल्कि पक्षियों और पालतू पशुओं पर भी देखा जा रहा है। समाज सेवी सिकन्दर यादव ने ध्वनि प्रदूषण के प्रमुख कारणों में वाहनों द्वारा अनावश्यक हॉर्न बजाना, सुबह कूड़ा संग्रह करने वाली गाड़ियों में तेज आवाज में बजाया जाने वाला संगीत शादी-विवाह और अन्य आयोजनों में देर रात तक तेज आवाज में बजने वाले डीजे आदि का उल्लेख किया है। सिकन्दर यादव ने आगे लिखा है कि सड़कों पर झाड़ू लगने के दौरान उड़ने वाली धूल वायु प्रदूषण और अस्थमा जैसी समस्याएँ बढ़ती हैं। इस पर नियंत्रण करने के लिए पानी का छिड़काव जरुरी है। उन्होंने अस्पताल, स्कूल और धार्मिक स्थलों के आसपास नो हॉर्न जोन लागू करने की मांग के साथ ही सप्ताह में एक दिन नो हॉर्न डे मनाने का सुझाव दिया है।

हाईकोर्ट बैंच की मांग को लेकर बार अध्यक्ष ब्रह्मदेव त्यागी के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर



गाजियाबाद। बुधवार को बार एसोसिशन के अध्यक्ष बीडी त्यागी के नेतृत्व में अधिवक्ता स्थानीय सांसद अतुल गर्ग के निवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने पश्चिमी उप्र में हाई कोर्ट की स्थापना की संसद में मांग उठाने की मांग संबंधी ज्ञापन सांसद की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि राजेन्द्र मित्तल मेंदी वालो को सौंपा।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्रह्मदेव त्यागी नेबताया कि पश्चिमी उ०प्र० में हाई कोर्ट बैंच स्थापना के लिए केन्द्रीय संघर्ष समिति पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 22 जनपदों एवं तहसील बार एसोसिएशन का नेतृत्व करती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आम जनता को सस्ता, सुलभ एवं त्वरित न्याय दिलाने हेतु पश्चिमी उ०प्र० की विभिन्न तहसील बार एसोसिएशन के अधिवक्तागण लगभग 50 वर्षों से अधिक समय से आन्दोलनरत है। हाई कोर्ट बैंच स्थापना केन्द्रीय संघर्ष समिति, पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 15 नवबंर को बार एसोसिएशन, जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर, कैराना में निर्णय लिया गया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के समस्त सांसदों से यह अनुरोध किया जाये कि वे इस शीतकालीन संसद सत्र के दौरान पश्चिमी उ०प्र० में शीघ्र हाईकोर्ट की बैंच की स्थापना हेतु अधिवक्ताओं की की इस मांग को संसद में अपने स्तर से उठाये ताकि पश्चिमी उ.प्र. की आम जनता को सस्ता, सुलभ एवं त्वरित न्याय प्राप्त हो सके। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सचिव वरूण त्यागी (बयाना), आदेश कुमार गर्ग, विनय कुमार पवार, खुशनुमा परवीन, सुनील कुमार, अमित कुमार पाल, नरेंद्र कुमार वत्स, सुधीर सहलोत, ब्रह्म प्रकाश प्रजापति, भारत भूषण, हाजी अब्दुल्ला, मौ. सलीम, अरुण चौधरी, अमित नगर, गर्व मित्तल, मानवेंद्र सिंह, सुमित चौधरी व तुषार वशिष्ठ सहित सैकड़ो अधिवक्ता उपस्थित रहे।

सशक्त आत्मा ही विश्व एकता की संकल्पना को साकार करने की आधारशिला: राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा: विश्वास वहीं टिकता है जहां मन शांत, विचार स्वस्थ और भावनाएं शुद्ध होती हैं







यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान (योग) के राज्य स्तरीय उद्घाटन समारोह में भाग लेते हुए राजयोग के जरिए आध्यात्मिक चेतना के विकास पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्वास वहीं टिकता है, जहां मन शांत, विचार स्वस्थ और भावनाएं शुद्ध होती हैं।

उन्होंने कहा कि सशक्त आत्मा ही विश्व एकता की संकल्पना को साकार करने की आधारशिला रही है। राष्ट्रपति मुर्मु के अनुसार, शांत और स्थिर मन समाज में शांति का बीज बोता है और वहीं से विश्व शांति और विश्व एकता की नींव बनती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 'ओम शांति' के संबोधन से अपने वक्तव्य की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति ने सदैव वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश विश्व को दिया है, जिसका भाव यह है कि सारा विश्व एक परिवार है। आज जब विश्व कई प्रकार की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब यह विचार और अधिक प्रासंगिक बन जाता है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस महान संकल्प को सिद्ध करने के लिए यह अभियान प्रभावी योगदान देगा। उन्होंने कार्यक्रम के शुभारंभ के लिए ब्रह्मकुमारीज परिवार के सभी सदस्यों को बधाई दी।

तकनीकी उन्नति के साथ बढ़ रहा तनाव

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आज का मानव पहले की अपेक्षा अधिक शिक्षित और तकनीकी रूप से सक्षम है। उसके पास आगे बढ़ने के अनेक अवसर हैं, लेकिन समाज में तकनीकी उन्नति के साथ तनाव, असुरक्षा, अविश्वास और एकाकीपन भी बढ़ रहा है। आज आवश्यक है कि हम केवल आगे बढ़ने की ही नहीं, बल्कि अपने भीतर झांकने की भी यात्रा प्रारंभ करें। इसी ह्यस्वह्ल से साक्षात्कार को सुगम बनाने का कदम ब्रह्मकुमारीज ने उठाया है, जिसके लिए वे धन्यवाद के पात्र हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि हर मनुष्य चाहता है कि वह दूसरों पर विश्वास करे, लेकिन विश्वास वहीं टिकता है जहां मन शांत, विचार स्वस्थ और भावनाएं शुद्ध हों। उन्होंने कहा कि जब हम कुछ क्षण रुककर स्वयं से संवाद करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि शांति और आनंद किसी बाहरी वस्तु में नहीं, बल्कि हमारे भीतर है। जब आत्मिक चेतना जागृत होती है, तो प्रेम, भाईचारा, करुणा और एकता स्वत: जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। शांत और स्थिर मन समाज में शांति का बीज बोता है और वहीं से विश्व शांति और विश्व एकता की नींव रखी जाती है। सशक्त आत्मा ही विश्व एकता की संकल्पना को साकार करने की आधारशिला रही है।

भीतर की शांति को जगाने का आह्वान

ब्रह्मकुमारीज संस्था द्वारा विश्व शांति, मानवीय मूल्य, नारी शक्ति, आत्मिक जागृति, शिक्षा और ध्यान के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास वास्तव में प्रेरक और प्रशंसनीय हैं। इस सेवा के लिए सभी का हृदय से धन्यवाद। उन्होंने आ'ान किया कि आइए, शांति को अपने भीतर जगाएं, विश्वास को अपने विचारों में उतारें और एकता को अपने कर्म में प्रकट करें। हम सभी एक बेहतर, शांतिपूर्ण और विश्वासपूर्ण विश्व के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि वे जानती हैं कि ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय केवल लखनऊ और माउंट आबू में ही नहीं, बल्कि गांव-गांव में शिक्षा केंद्रों के माध्यम से सकारात्मकता का प्रसार कर रहा है। सभी समाज को सुख, शांति, आनंद, प्रेम और विश्वास का संवाहक बनकर जन-जन तक पहुंच रहे हैं। आज का कार्यक्रम एक सुंदर विश्व बनाने की दिशा में संवाहक की भूमिका निभाएगा।

भारत सरकार ने समाज को अधिक समावेशी बनाने के लिए उठाए कदम

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार समाज को अधिक समावेशी, शांतिपूर्ण और मूल्य-आधारित बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। योग एवं ध्यान को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देना तथा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन का नेतृत्व भी इसी का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मूल्य-आधारित शिक्षा तथा जीवन पोषण जैसे तथ्यों का समावेशन इसी दिशा का प्रयास है। भारत सरकार ने मिशन लाइफ अभियान की शुरूआत की है, जो पर्यावरण के प्रति जागरूकता प्रसारित करने का अभियान है। महिला सम्मान, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समावेश के लिए विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

वर्ष 2023 में भारत में हुए जी-20 समिट के आयोजन का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि समिट का थीम था वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर। उन्होंने कहा कि ये पहल इस महत्वपूर्ण संदेश को मजबूत करती हैं कि मानवता का भविष्य मानव-मूल्यों, संवाद, विश्वास और आध्यात्मिक चेतना से सुरक्षित और उज्ज्वल होगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में विज्ञान और तकनीक के बल पर मानवता ने अभूतपूर्व प्रगति की है। आज का युग सूचना, प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और अंतरिक्ष अनुसंधान का युग है। इन क्रांतिकारी परिवर्तनों ने मानव जीवन को अधिक सुविधाजनक, सुगम तथा संसाधन-संपन्न बनाया है।

दीप प्रज्वलन से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा लखनऊ में आयोजित विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान (योग) के राज्य स्तरीय उद्घाटन समारोह का शुभारंभ राष्ट्रपति मुर्मु ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। उन्होंने ब्रह्मकुमारियों को कलश सौंपा तथा भ्राताओं को ब्रह्मकुमारीज की ध्वजा प्रदान की। कार्यक्रम में छात्राओं ने पारंपरिक नृत्य शैली में सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी। इस दौरान ब्रह्मकुमारी राधा जी ने ईश्वरीय परिवार की ओर से स्वागत वक्तव्य दिया। भ्राता नथमल जी ने वैश्विक एकता और विश्वास को बढ़ावा देने के लिए राजयोग को अपनाने तथा विकारों को दूर करने का आ'ान किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, अपर महासचिव ब्रह्मकुमारीज एवं अध्यक्ष (शिक्षा शाखा, माउंट आबू) राजयोगी डॉ. ब्रह्मकुमार मृत्युंजय, निदेशक उपक्षेत्र लखनऊ राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी राधा जी, राष्ट्रीय संयोजक कटक (ओडिशा) राजयोगी ब्रह्मकुमार नथमल जी समेत प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय के पदाधिकारी, प्रशिक्षक और साधक उपस्थित रहे।

मानव चेतना में प्रकाश जगाकर अज्ञान के अंधकार को करना है दूर: राज्यपाल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय के इस विशिष्ट आयोजन का हिस्सा बनना उनके लिए अत्यंत गर्व और सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय का उद्देश्य मानव चेतना में प्रकाश जगाकर अज्ञान, तनाव और अंधकार से बाहर निकालकर समाज को नई दिशा देना है। यह संस्था 137 देशों में ज्ञान, प्रेम, शांति और योग का संदेश देकर वैश्विक आध्यात्मिक परिवर्तन का कार्य कर रही है। उन्होंने इसे विश्व की सबसे बड़ी आध्यात्मिक संस्था बताते हुए मातृशक्ति के नेतृत्व को नारी-शक्ति की नवोन्मेषी और परिवर्तनकारी क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि आज विश्व असंतोष, अविश्वास, हिंसा, मानसिक तनाव और मूल्यहीनता के संकट के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में राजयोग मेडिटेशन व्यक्ति को आत्मदर्शन, आत्म-शुद्धि और आत्म-विकास के मार्ग पर ले जाकर उसे नकारात्मकता, भय और भ्रम से मुक्त करता है। ध्यान की अवस्था में उत्पन्न सकारात्मक ऊर्जा न केवल व्यक्ति के विचारों, भावनाओं और व्यवहार को परिवर्तित करती है, बल्कि उसके संबंधों, वातावरण और समाज पर भी स्थायी प्रभाव छोड़ती है।

अनुशासित युवा ही अदम्य साहस से राष्ट्र को नित नई बुलंदियों तक पहुंचाने में हो सकता है सहभागी: मुख्यमंत्री योगी

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली एवं 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का समापन



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को सीख दी कि अनुशासन जीवन की पहली आधारशिला है। अनुशासित युवा ही अदम्य साहस से राष्ट्र को नित नई बुलंदियों तक पहुंचाने में सहभागी हो सकता है। राजधानी लखनऊ पिछले पांच दिन से भारत की युवा ऊर्जा के अनुशासन, धैर्य व चुनौती को समझने के सामर्थ्य को देख रही है। सीएम ने आह्वान किया कि उत्तर प्रदेश, देश व दुनिया के कोने-कोने से आए युवा जंबूरी के माध्यम से उत्तर प्रदेश की स्मृतियों को अपने-अपने क्षेत्र में ले जाकर भारत व विश्व बंधुत्व के विजन को बढ़ाने का कार्य करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति में शुक्रवार को डिफेंस एक्सपो ग्राउंड, सेक्टर-15 वृंदावन योजना में हुए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबली एवं 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के समापन समारोह को संबोधित किया।

प्रयागराज में हुआ था महाकुम्भ तो जंबूरी में भी युवा ऊर्जा का चल रहा महाकुम्भ

सीएम योगी ने कहा कि युवा ऊर्जा के प्रतीक 'भारत के इन भविष्यों' के 19वीं जंबूरी का कार्यक्रम इस बार यूपी की राजधानी लखनऊ में हुआ है। प्रदेश को 61वर्ष बाद इसे आयोजित करने का अवसर प्राप्त हुआ। जंबूरी ने 2025 के प्रारंभ में आयोजित प्रयागराज महाकुम्भ का स्मरण करा दिया है। प्रयागराज में देश-दुनिया के 66 करोड़ श्रद्धालु आए थे तो जंबूरी में दुनिया के कई देशों व भारत के कोने-कोने से विश्व शांति, एकता व विश्व बंधुत्व के भाव को लेकर युवा आए हैं। दुनिया के अंदर कुछ नया करने के इच्छुक युवा ऊर्जा के प्रतीक इन युवाओं का यहां महाकुम्भ चल रहा है।

पीएम मोदी के विजन के अनुरूप जंबूरी की थीम

सीएम योगी ने कहा कि जंबूरी की थीम पीएम मोदी के विजन के अनुरूप 'विकसित भारत-विकसित युवा' रहा है। पिछले पांच दिन से लगातार हर जुबान पर जंबूरी के कार्यक्रम, अनुशासन, आत्मसंयम, यहां चल रहे विभिन्न प्रकार के एडवेंचर व सकारात्मक गतिविधियों ने नई ऊर्जा का संचार किया है। सीएम ने जंबूरी के आयोजन से जुड़ी टीम का अभिनंदन किया और कहा कि टीम भावना की बदौलत स्काउट्स एंड गाइड्स का इतना बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सीएम योगी ने युवाओं से कहा कि आप सभी ने 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के इन कार्यक्रमों से जुड़कर पीएम मोदी के विकसित भारत की संकल्पना को जंबूरी के माध्यम से बढ़ाने का कार्य किया है।

समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन, यूपी के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह, राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त केके खंडेलवाल, राज्य मुख्य आयुक्त प्रभात कुमार आदि मौजूद रहे।

भारत का रक्षा इकोसिस्टम नवाचार का केंद्र, बाहरी निर्भरता को करेंगे खत्म: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि एक स्थिर भारत, एक स्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान देता है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के माध्यम से, केंद्र एक रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है जो नवाचार को प्रोत्साहित करता है, उद्योग को समर्थन देता है और बाहरी निर्भरता को कम करता है। उन्होंने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में 'चाणक्य रक्षा संवाद' को संबोधित किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब भारत शक्ति, सुरक्षा और विकास के पथ पर आगे बढ़ता है, तो विश्व को अनेक प्रकार से लाभ होता है। एक स्थिर भारत, एक स्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान देता है। भारत का डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, अनेक देशों के लिए समावेशी, पारदर्शी और सुरक्षित शासन का एक आदर्श प्रस्तुत करता है। उभरती प्रौद्योगिकियों, चाहे वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता हो, साइबर हो या अंतरिक्ष, के प्रति भारत का नैतिक दृष्टिकोण, ऐसे मानक स्थापित करता है जिनकी ओर अन्य देश भी ध्यान देते हैं, शांति, जलवायु उत्तरदायित्व और



मानवीय मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को बल प्रदान करता है, और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को नैतिक बल प्रदान करता है। इस प्रकार, मित्रों, एक सशक्त, सुरक्षित और विकसित भारत अलग-थलग नहीं रहता; बल्कि वह भलाई की एक शक्ति बन जाता है, एक ऐसा राष्ट्र जो वैश्विक शांति और मानव कल्याण को सुदृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह सकारात्मक प्रभाव स्थायी शक्ति में परिवर्तित हो, सरकार केंद्रित सुधारों के साथ राष्ट्रीय क्षमता को मजबूत कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि हम सुरक्षा और संपर्क दोनों को बढ़ावा देने के लिए सीमा और समुद्री बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहे हैं। हम नए प्लेटफार्मों, प्रौद्योगिकी और संरचनाओं के माध्यम से अपनी सेनाओं का आधुनिकीकरण कर रहे हैं। हम गति, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए खरीद प्रक्रियाओं में सुधार कर रहे हैं। आत्मनिर्भरता के माध्यम से, हम एक रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहे हैं जो नवाचार को प्रोत्साहित करता है, उद्योग का समर्थन करता है और बाहरी निर्भरता को कम करता है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार स्टार्टअप्स, गहन तकनीकी क्षमताओं और अनुसंधान एवं विकास में निवेश कर रही है जो भविष्य के युद्धक्षेत्रों को आकार देंगे।

उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के हित और कल्याण हमारे निर्णय लेने के केंद्र में रहें। ये सभी प्रयास अलग-थलग नहीं हैं। ये सब मिलकर भारत की दीर्घकालिक सुरक्षा और विकास की नींव रखते हैं। और इन प्रयासों को प्रभावी बनाए रखने के लिए, इस तरह के मंच चिंतन और सुधार के लिए आवश्यक अवसर प्रदान करते हैं।

आधुनिक युद्ध की नई परिभाषा: एयर मार्शल दीक्षित बोले, ऑपरेशन सिंदूर से मिली प्रेरणा, थिएटर कमांड ही है भविष्य

नई दिल्ली। इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के प्रमुख, एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान संयुक्त रक्षा अभियान भारत के भविष्य के थिएटर कमांड कैसे काम करेंगे, इसकी एक 'झलक' मात्र थे। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि थिएटराइजेशन देश का सबसे महत्वपूर्ण रक्षा सुधार होगा। राष्ट्रीय राजधानी में आज एएनआई के राष्ट्रीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए, इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (सीएसआईसी) के प्रमुख ने थिएटर कमांड की आवश्यकता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हमें यह समझना होगा कि हम क्यों कह रहे हैं कि थिएटराइजेशन एक नया सुधार है जिसकी हमें आवश्यकता है, और यह सबसे महत्वपूर्ण रक्षा सुधार क्यों होगा जिस पर हम विचार कर रहे हैं। हम संयुक्तता से एकीकरण की ओर, और अब थिएटराइजेशन की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य बल विकास और बल प्रयोग के बीच ज़िम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से विभाजित करना है। एयर मार्शल दीक्षित ने कहा कि हम बल विकास और बल प्रयोग के बीच स्पष्ट विभाजन हासिल करना चाहते हैं। बल विकास सेवा मुख्यालय की ज़िम्मेदारी होगी, और बल प्रयोग थिएटर कमांडर की ज़िम्मेदारी होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि आधुनिक



युद्ध अब संज्ञानात्मक युद्ध, साइबर और अंतरिक्ष सहित कई क्षेत्रों में फैला हुआ है, जिन्हें एक थिएटर अवधारणा के तहत एक साथ लाने की आवश्यकता है। सीएसआईसी एयर मार्शल दीक्षित ने कहा कि यह जरूरी है क्योंकि युद्ध अब कई क्षेत्रों और कई मोर्चों पर होता है। आपको प्रत्येक सेवा या प्रत्येक वेक्टर की क्षमता का एक ही समय में और योजनाबद्ध तरीके से उपयोग करने की आवश्यकता है... इन सभी को एक साथ लाना होगा, और यह केवल थिएटर अवधारणा के माध्यम से ही किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय वायु सेना अपने क्षेत्र में काम करना जारी रखेगी।

लेकिन संचालन कहीं बेहतर तरीके से एकीकृत होंगे। इसकी भूमिकाएँ और मिशन जारी रहेंगे, लेकिन थल और नौसेना के साथ-साथ साइबर क्षेत्र में भी सब कुछ कहीं बेहतर तरीके से एकीकृत होगा। प्रत्येक हमले या मिशन का प्रभाव कहीं अधिक होगा।'

ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बोलते हुए, सीएसआईसी ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान सीडीएस और तीनों सेना प्रमुखों की संयुक्त कार्यप्रणाली ने थिएटर कमांड के अंतिम परिणामों की केवल शुरूआत दिखाई। एयर मार्शल दीक्षित ने कहा, 'एक थिएटर ऑप्स रूम होगा जहाँ सभी जानकारी आएगी। थिएटर कमांडर इसके आधार पर निर्णय ले सकेंगे... आपने सिंदूर के दौरान जो देखा वह केवल एक झलक थी, और यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि हम पिछले चार-पाँच वर्षों से एकीकरण और संयुक्तता पर काम कर रहे हैं।'

जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुनीं करीब 200 लोगों की समस्याएं

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन, रविवार सुबह जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, ह्यघबराइए मत, हर समस्या का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित की शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा।ह्ल जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निस्तारण कराएं। इससे पहले शनिवार को भी सीएम ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं थीं। रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में





महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और उनकी समस्याएं सुनीं। सीएम ने उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का त्वरित और पारदर्शी निस्तारण कराया जाए।

जनता दर्शन में कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर सीएम योगी ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी गरीब की जमीन पर यदि कोई कब्जा करने की कोशिश करे तो उसे ठीक से सबक सिखाया जाए। गरीब की जमीनों पर दबंग या माफिया का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। जनता दर्शन में अंबेडकरनगर से आई एक महिला ने बाजार गए अपने बच्चे के साइकिल सहित गायब होने की पीड़ा बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि इस प्रकरण को संवेदनशीलता से लिया जाए और बच्चे का पता लगाने को जरूरी कदम उठाए जाएं। जनता दर्शन में इस बार भी कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें मदद का भरोसा दिया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। एक महिला द्वारा किडनी के इलाज में डायलिसिस कराने की जरूरत और उसके लिए धनराशि न होने की बात कहने पर मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अफसरों को निर्देशित किया कि डायलिसिस के लिए पैसे की व्यवस्था कराई जाए। उन्होंने महिला को यह कहते हुए भरपूर आत्मीय संबल दिया, ह्यघबराओ मत उपचार की पूरी व्यवस्था कराई जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में परिजनों के साथ बच्चों पर खूब प्यार-दुलार बरसाया। उन्होंने इन बच्चों चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया।

सेहत/स्वास्थ्य

एसिडिटी से लेकर किडनी हेल्थ तक में फायदेमंद है बेकिंग सोडा, बैक्टीरियल इंफेक्शन से भी होगा बचाव



अगर किसी को गैस या एसिडिटी की समस्या होती है, तो वह एक गिलास पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर पी लें। इससे मिनटों में आपकी समस्या खत्म हो जाएगी। वहीं बेकिंग सोडा दांतों के पीले रंग को भी गायब कर सकता है।

भारतीय किचन में ऐसी कई चीजें होती हैं, जो न सिर्फ खाने में बल्कि अन्य कई चीजों में भी इस्तेमाल की जाती है। इन्हीं में से एक बेकिंग सोडा है। बेकिंग सोडा सेहत से जुड़ी कई समस्याएं चुटकी में हल कर सकता है। अगर किसी को गैस या एसिडिटी की समस्या होती है, तो वह एक गिलास पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर पी लें। इससे मिनटों में आपकी समस्या खत्म हो जाएगी। वहीं बेकिंग सोडा दांतों के पीले रंग को भी गायब कर सकता है। इसके अलावा भी बेकिंग सोडा कई समस्याओं को चुटकियों में हल कर सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं कि बेकिंग सोडा के क्या-क्या फायदे होते हैं।

दांत होंगे साफ

इसके साथ ही बेकिंग सोडा दांतों में जमे प्लाक यानी की गंदगी को भी हटाता है। हालांकि इसमें फ्लोराड नहीं होता है। इसलिए कैविटी से बचने के लिए आप बेकिंड सोडा के साथ टूथपेस्ट मिला सकते हैं। इससे आपकी ओरल हेल्थ भी अच्छी रहती है।

सस्ता माउथवॉश

अगर आपकी सांसों से भी बदबू आती है, तो पानी में बेकिंग सोडा मिलाकर कुल्ला करें। इससे मुंह में मौजूद बैक्टीरिया खत्म होती है और बदबू भी खत्म हो सकती है। इससे मुंह के इंफेक्शन का जोखिम भी खत्म होता है।

नेचुरल डिओडरेंट

बेकिंग सोडा एक प्राकृतिक डिओडरेंट है। यह शरीर से आने वाली बदबू को खत्म करता है। इसको आप अपनी बगल यानी की आर्मपिट्स में लगा सकते हैं। यह एक एंटीफंगल है, जो स्किन के डिजीज जोखिम को भी कम करता है।

किडनी फंक्शनिंग को सपोर्ट

किडनी की समस्या होने पर ब्लड पूरी तरह से एसिड और बाकी गंदगी को नहीं छान पाती है। इससे शरीर में एसिड जमा होने लगता है। जिसकी वजह से शरीर में एसिड जमा होने लगता है। लंबे समय तक ऐसी स्थिति रहने से मसल्स और हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में बेकिंग सोडा एसिड कम कर सकती हैं। लेकिन इस स्थिति में बेकिंग सोडा का सेवन करने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरुर करें।

स्किन की जलन होगी कम

कीड़े या मच्छर के काटने से स्किन पर खुजली या जलन होती है। इस पर बेकिंग सोडा लगाने से राहत मिल सकती है। बेकिंग सोडा में एंटीसेप्टिक गुण पाया जाता है। ऐसे में आप इसको पानी में मिलाकर लगा सकते हैं।

दर्द से राहत

सोडियम बाई कार्बोनेट पेन किलर दवा के रूप में काम करता है। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। ऐसे में अगर आपको सनबर्न या फिर हल्की जलन है, तो बेकिंग सोडा को पानी में मिलाकर लगाने से दर्द से राहत मिल सकती है।

एसिडिटी और गैस से राहत

पेट में जलन या एसिडिटी की समस्या होने पर आधा चम्मच बेकिंग सोडा पानी में मिलाकर पीने से आपको राहत मिल सकती है। बेकिंग सोडा एल्केलाइन यानी बेसिक नेचर एसिडिटी खत्म कर देता है। हालांकि इसे बच्चे को देने से पहले डॉक्टर से जरूर कंसल्ट कर लें।

स्ट्रेस से राहत

बता दें कि बेकिंग सोडा स्ट्रेस को कम करता है और यह शरीर और दिमाग में इंफ्लेमेशन कम करके तनाव कर कम करता है। यह शरीर का पीएच लेवल संतुलित करता है। इससे तनाव में भी राहत मिलती है।

ब्यूटी / फैशन

फैमिली फंक्शन में अपने लुक को बनाना चाहती हैं स्टाइलिश तो वियर करें ये थ्री पीस सूट, आप पर टिकेगी हर नजर





अगर आप भी हल्दी, मेहंदी और संगीत आदि के फंक्शन में सबसे अलग और खूबसूरत नजर आना चाहती हैं, तो आपको थ्री पीस सूट वियर कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले थ्री पीस सूट दिखाने जा रहे हैं।

शादी से पहले संगीत, हल्दी और मेहंदी सेरेमनी होती है। इन सारे फंक्शन में महिलाएं सबसे ज्यादा खूबसूरत और अलग नजर आना चाहती हैं। इसके लिए महिलाएं सबसे अच्छे आउटफिट का चुनाव करती हैं। ऐसे में अगर आप भी हल्दी, मेहंदी और संगीत आदि के फंक्शन में सबसे अलग और खूबसूरत नजर आना चाहती हैं, तो आपको थ्री पीस सूट वियर कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले थ्री पीस सूट दिखाने जा रहे हैं, जो कि वेडिंग फंक्शन में पहनने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। वहीं इन सूट को स्टाइल करने के बाद हर कोई आपकी तारीफ करेगा।

प्रिंटेड सिल्क 3 पीस सूट

अगर आप हल्दी फंक्शन में शामिल होने जा रही हैं, तो आपको प्रिंटेड सिल्क 3 पीस सूट वियर करना चाहिए। इसमें आपका लुक बहुत खूबसूरत नजर आएगा। इस तरह के सूट में प्रिंट करके डिजाइन है। आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगहों से 1,500 से 3,000 तक की कीमत में इस तरह का सूट ले सकती हैं। इस तरह के सूट के साथ आपको मिरर वर्क वाली ज्वेलरी पहन सकती हैं। वहीं फुटवियर में आप मोजरी वियर कर सकती हैं।

एम्ब्रॉयडरी वर्क 3 पीस सूट

आप संगीत सेरेमनी में इस तरह का एम्ब्रॉयडरी वर्क सूट वियर कर सकती हैं। इस सूट में बेहद खूबसूरत एम्ब्रॉयडरी का वर्क किया गया है। इस सूट को वियर करने से आपको रॉयल लुक मिलेगा।

आप ऑनलाइन या फिर मार्केट से 2,000 रुपए तक में इस तरह का सूट ले सकती हैं। इस सूट के साथ आपको चोकर या फिर सिंपल-सी चैन टाइप नेकलेस वियर करना चाहिए। यह आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेगा।

ऑर्गेंजा 3 पीस सूट

बता दें कि न्यू लुक पाने के लिए आप ऑर्गेंजा वाला 3 पीस सूट स्टाइल कर सकते हैं। आप इस तरह के सूट को मेहंदी फंक्शन में पहन सकती हैं। इस सूट में आपका लुक बहुत अच्छा लगेगा। ऑनलाइन के अलावा मार्केट से भी आप इस तरह का सूट सिर्फ 2,000 रुपए तक में ले सकती हैं। इस सूट के साथ पर्ल वर्क वाली ज्वेलरी वियर करनी चाहिए। वहीं अगर आप कुछ लाइट कलर का सूट पहनने का सोच रही हैं और भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं, तो इस तरह के 3 पीस सूट को वियर कर सकती हैं।

पर्यटन

असल खूबसूरती से रुबरू होने के लिए पहुंचे सरगुजा, प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है ये जगह



छत्तीसगढ़ में मौजूद सरगुजा एक ऐसी अद्भुत और खूबसूरत जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सरगुजा की खासियत और पास में स्थित कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ देश का एक प्रमुख और बेहद खूबसूरत राज्य है। साल 2000 में यह राज्य मध्यप्रदेश से अलग होकर बना था। इसको देश का 26वां राज्य माना जाता है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर है। छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक, प्राकृतिक विविधता और पारंपरिक इतिहास के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। छत्तीसगढ़ एक ऐसा राज्य है, जो जंगलों से घिरा है और लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हो रहा है। छत्तीसगढ़ में स्थित मैनपाट, बर्नवापारा वन्यजीव अभयारण्य, चित्रकूट, रायपुर और भिलाई जैसी फेमस जगहों को एक्सप्लोर करने के लिए हर महीने हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। छत्तीसगढ़ में मौजूद सरगुजा एक ऐसी अद्भुत और खूबसूरत जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सरगुजा की खासियत और पास में स्थित कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

सरगुजा

सरगुजा छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख जिला है, जिसका मुख्यालय अंबिकापुर है। यह राज्य के उत्तरी भाग में स्थित है। इसके अलावा यह झारखंड, उत्तर प्रदेश और ओडिशा की सीमा के काफी करीब है। सरगुजा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से करीब 327 किमी दूर है

सरगुजा का इतिहास

सरगुजा अपनी खूबसूरती के अलावा इतिहास के बारे में भी जाना जाता है। इसलिए आपको सरगुजा का इतिहास जानना बहुत जरूरी है। रामायण काल में इस स्थान को दंडकारण्य के नाम से जाना जाता था। तो वहीं कई अन्य लोगों का मानना है कि इसको पहले डांडोर के नाम से भी जाना जाता था। एक अन्य मिथक के मुताबिक मौर्य वंश के आगमन से पहले यह क्षेत्र नंदा वंश के भगवान नंदा वंश के अधीन था। इस क्षेत्र में कई नक्काशी और पुरातन अवशेषों को भी देखा जा सकता है।

इस जगह की खासियत

सरगुजा के बारे में बताया जाता है कि यह जिले का करीब आधे से अधिक हिस्सा जंगलों से घिर है। इसकी सीमा पर ओडिशा, झारखंड और उत्तर प्रदेश है। सरगुजा के बारे में बताया जाता है कि यहां के जंगलों में पांडो और कोरवा जैसी आदिवासी जनजातियां रहती हैं। यहां का शांत और शुद्ध वातावरण पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। पर्यटक यहां पर सुकून के पल बिताने के लिए पहुंचते हैं।

क्यों है इतना खास

पर्यटकों के लिए यह जगह जन्नत मानी जाती है। जो पर्यटक प्रकृति से प्रेम करते हैं, उनके लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है। आप यहां पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़, हरियाली, झील-झरने और लुभावने दृश्यों को देखकर खुशी से झूम उठेंगे। सरगुजा अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए भी जाना जाता है। यहां पर आप हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिग आदि का लुत्फ उठा सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें

बता दें कि सरगुजा में ऐसी कई हसीन और शानदार जगहें मौजूद हैं, जिन्हें आपको एक्सप्लोर करना चाहिए। आप यहां पर तिब्बत मंदिर, टाइगर पॉइंट, चेंद्रा वॉटरफॉल, महामाया मंदिर, रामगढ़ पहाड़, दुर्गा मंदिर और फिश पॉइंट जैसी धार्मिक और बेहद खूबसूरत जगहें एक्सप्लोर कर सकते हैं।



घरेलू नुस्खे

बालों के झड़ने को कहें अलविदा, ये जादुई तेल बालों को बनाएगा मजबूत और लंबा, देखने में भी लगेंगे खूबसुरत



अगर आप भी बालों के झड़ने के साथ हेयर ग्रोथ रुक जाने की समस्या से परेशान हैं, तो आज हम आपको एक होममेड तेल बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि आप आसानी से इस तेल को घर पर बनाकर तैयार कर सकती हैं।

अगर आप भी बालों के झड़ने के साथ हेयर ग्रोथ रुक जाने की समस्या से परेशान हैं, तो आज हम आपको एक होममेड तेल बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि आप आसानी से इस तेल को घर पर बनाकर तैयार कर सकती हैं।

आजकल बढ़ते प्रदूषण, अनहेल्दी लाइफस्टाल, खानपान और तनाव की वजह से लोग कई समस्याओं का सामना करते हैं। तो इन्हीं के कारण बाल झड़ने और हेयर ग्रोथ की समस्या भी बढ़ती जा रही है। इसलिए लोग बालों की केयर के लिए तरह-तरह के हेयर ट्रीटमेंट्स और कैमिकल युक्त प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। जो बालों को अधिक खराब कर देते हैं। ऐसे में आप घरेलू नुस्खों का सहारा लेकर हेयर फॉल की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। इससे आपके बाल नेचुरल तरीके से लंबे और घने दिखेंगे। अगर आप भी बालों के झड़ने के साथ हेयर ग्रोथ रुक जाने की समस्या से परेशान हैं, तो आज हम आपको एक होममेड तेल बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि आप आसानी से इस तेल को घर पर बनाकर तैयार कर सकती हैं।



हेयर ऑयल सामग्री

बेरी बेरी लीव्स- 6-7 पत्तियां, करी पत्ता- 6-7 पत्तियां, कलौंजी- 1 टेबलस्पून, काले तिल- 1 टेबलस्पून, नारियल तेल- 1 बड़ी कटोरी, विटामिन- ई कैप्सूल- 2, अरंडी का तेल- 2 टेबलस्पून।

ऐसे बनाएं

एक स्टील के बर्तन में नारियल का तेल निकाल लें। फिर गैस पर नारियल के तेल को पिघला लें और गैस धीमी रखना है। तेल पिघल जाने के बाद उसमें करी पत्ता, काले तिल, बेरी-बेरी लीव्स और कलौंजी डालकर अच्छे से पका लें। इस तेल को तब तक खौलाएं जब तक यह आधा न रह जाए। इस प्रक्रिया में करीब 1 घंटे का समय लग सकता है। तब तेल पककर आधा रह जाए, तो इसमें विटामिन ई के कैप्सूल और अरंडी का तेल मिला दें। इस मिश्रण को अच्छे से मिलाएं और गैस बंद कर दें। जब यह ठंडा हो जाए, तो छलनी की मदद से छानकर इसे डिब्बे में स्टोर कर लें।

कैसे करें इस्तेमाल

बता दें कि सप्ताह में दो बार आप इस तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं बाल धोने से एक दिन पहले अच्छे से इस तेल से सिर की मालिश करें। जिससे कि पूरी रात तेल अच्छे से बालों की जड़ों तक पहुंच जाए। फिर अगले दिन सुबह उठकर शैंपू से बाल धो डालें।

डॉ केएन मोदी फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे उन्नत कार्यों की नितिन गडकरी ने की भूरी भूरी प्रशंसा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर





मोदीनगर। डॉ के एन मोदी विश्वविद्यालय, राजस्थान का 8 वाँ दीक्षांत समारोह दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर के सभागार संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार रहे। समारोह के विशेष अतिथि पूज्य धर्मवत्सलदास स्वामी जी, अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ संत, स्वामी नारायण संस्था तथा विशिष्ट अतिथि पूज्य मुनिवत्सल स्वामी जी, प्रशासनिक प्रभारी, अक्षरधाम मंदिर, दिल्ली रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना से हुआ।

तत्पश्चात डॉ केएन मोदी फाउंडेशन के चेयरमैन तथा डॉ के एन मोदी विश्वविद्यालय, राजस्थान के कुलाधिपति प्रोफेसर डॉ डी के मोदी ने अपने अभिवाचन से अधिग्रहित किया। उन्होंने कहा कि डॉ के एन मोदी फाउंडेशन के अंतर्गत आने वाले सभी संस्थानों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल तथा आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को विश्वस्तरीय शिक्षा देना तथा महिला सशक्तिकरण है।

तत्पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. पी. एन. ऋषीकेसा ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्य, स्थापित किए गए आयाम तथा प्लेसमेंट को विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि पूज्य मुनिवत्सल स्वामी जी ने अपने अभिवाचन में डॉ के एन मोदी फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे उन्नत कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए उपस्थित छात्र-छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। स्वामी जी ने बताया कि स्वामीनारायण संस्था विश्व स्तर पर आध्यात्मिक, सामाजिक और मानवीय कार्यों के उत्थान में लगी हुई है। संस्था की गतिविधियाँ निःस्वार्थ सेवा के सिद्धांत पर केंद्रित हैं और हिंदू आध्यात्मिक परंपराओं में निहित हैं और आध्यात्मिक शिक्षा के केंद्रों के रूप में मंदिरों का निर्माण और रखरखाव करते हैं। उनके दुनिया भर में 1,300 से अधिक मंदिर हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नितिन गडकरी ने अपने आशीर्वचन में समस्त मेडल प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि डॉ डीके मोदी मोदीनगर में डॉ के एन मोदी विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर संकल्परत हैं। उन्होंने अपने जीवन में आई चुनौतियों से सभी छात्र छात्राओं को अवगत कराते हुए यह भी बताया कि उनका सामना धैर्य, संयम से करना चाहिए। जीवन में माता-पिता के स्थान को ऊंचा बताते हुए सदैव उच्च आदर्शों पर चलने की सलाह दी। उन्होंने अपने संभाषण में विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित केंद्रीय कार्यशाला, महिला उत्थान के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों, एफ एम चैनल रेडियो गिनी की सराहना की। दीक्षांत समारोह में 19 छात्रों को पीएचडी, 33 छात्रों को स्वर्ण पदक, 33 छात्रों को रजत पदक तथा 33 छात्रों को कांस्य पदक प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त संजय गुप्ता, धीरज धर गुप्ता, जाने माने उद्योगपति को मानद पी एच डी की उपाधि विश्वविद्यालय की ओर से प्रोफेसर डॉ डी के मोदी द्वारा प्रदान की गई। धीरज धर गुप्ता अभिषेक ऑटो ग्रुप के अध्यक्ष है कछनकी कंपनी 1985 मे भारत मे सेफ्टी सीट बेल्ट लांच करने वाली पहली कंपनी हैकइसके अलावा वो आज लगभग सभी कार निमार्ता कंपनियों को सेफ्टी इक्विपमेंट उपलब्ध कराती हैक संजय गुप्ता का शिक्षा, नवाचार एवं औधोगिक विकास के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान रहा हैक तत्पश्चात सभी डिग्री प्राप्त कताओं को विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार द्वारा शपथ ग्रहण कराई गई कि वे सभी समाज और राष्ट्र के हित में अपनी शिक्षा का सदैव सदुपयोग करेंगे। कार्यक्रम के विशेष अतिथि प्रोफेसर डॉ आर के खंडाल, पूर्व कुलपति, एकेटीयू, लखनऊ ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में रेनू मोदी, श्री मानव मोदी, निधि मोदी, नव्या मोदी एवं वेद्या मोदी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन कैप्टेन राजीव सक्सेना ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से डॉ. शशि कुमार नायर, यू. एन. मिश्रा, शहर की कई जानी-मानी हस्तियां, डॉ के एन मोदी फाउंडेशन के अंतर्गत आने वाले सभी संस्थानों के डायरेक्टर, प्रिंसिपल, शिक्षक, रजिस्ट्रार तथा मीडिया पर्सन आदि उपस्थित रहे।

छाया पब्लिक स्कूल ने धूमधाम से बनाया 37 वां वार्षिकोत्सव



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल के प्रांगण में विकसित भारत नाम से विद्यालय का 37 वां वार्षिक उत्सव समारोह मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक डॉ मंजू शिवाच अध्यक्ष विनोद वैशाली व प्रबंधक अखिलेश द्विवेदी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

बच्चों द्वारा विकसित भारत पर जोरदार कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी दर्शकों की प्रशंसा बटोरी। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर अरुण त्यागी ने वार्षिक रिपोर्ट पढ़ी और आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया।

विद्यालय के प्रबंध निदेशक अधिराज द्विवेदी, निर्देशिका शिक्षण अंबिका गौड, डॉक्टर राजूल द्विवेदी, चेयरपर्सन कुसुम द्विवेदी व शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रही।

डॉ. के एन मोदी फाउंडेशन में विशेष कार्यक्रम, आशीर्वचनम का किया आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर



- मुख्य अतिथि कुंदन कुमार ने अपने अनुभव साझा करते हुए छात्रों को प्रेरित किया और इंजीनियरिंग क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न सरकारी अवसरों के बारे में बताया

मोदीनगर। डॉ. के एन मोदी फाउंडेशन मोदीनगर में एक विशेष कार्यक्रम, आशीर्वचनम, का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. के. एन. एम. आई. ई. टी. के 2004 बैच के पूर्व छात्र कुंदन कुमार, आईएएस, जिला मजिस्ट्रेट, नालंदा, बिहार ने छात्रों को संबोधित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुंदन कुमार, रजिस्ट्रार यू एन मिश्रा, डॉ. के एन मोदी विश्वविद्यालय एनसीआर, कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) पी एन ऋषिकेश, प्रशासनिक अधिकारी मेघराज शर्मा, और चीफ इग्जेक्यटिव डाइरेक्टर प्रोफेसर (डॉ.) दीपांकर शर्मा तथा प्रोफेसर (डॉ.) शिशिर रस्तोगी निदेशक डॉ. के. एन. एम. आई. ई. टी. द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। कुंदन कुमार ने अपने अनुभव साझा करते हुए छात्रों को प्रेरित किया और इंजीनियरिंग क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न सरकारी अवसरों के बारे में बताया।

जिनका लाभ उठाकर छात्र अपने करियर को आगे बढ़ा सकते हैं। इस अवसर पर, कुंदन कुमार ने कहा, आज मैं यहाँ आकर बहुत खुश हूँ। मेरी सफलता का श्रेय मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और संस्थान को देता हूँ। मैं सभी छात्रों से आग्रह करता हूँ कि वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें और सरकारी सेवाओं में आने के लिए प्रयास करें। कार्यक्रम में डॉ. के एन मोदी फाउंडेशन के छात्रों, शिक्षकों, और कर्मचारियों ने भाग लिया, जिन्हें कुंदन कुमार के शब्दों से प्रेरणा मिली। उनकी उपस्थिति ने यह संदेश दिया कि दृढ़ संकल्प, सही जानकारी और परिश्रम से कुछ भी असंभव नहीं है, और उनकी उपलब्धियां डॉ. के एन मोदी फाउंडेशन द्वारा प्रदान की गई उत्कृष्ट शिक्षा और प्रशिक्षण का प्रमाण हैं। डॉ. के एन मोदी फाउंडेशन कुंदन कुमार की उपलब्धियों पर गर्व महसूस करता है और उनके आगमन के लिए आभारी है, जो निश्चित रूप से हमारे छात्रों को उनके चुने हुए क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगा।

एनसीसी का 78 वाँ स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

शहीदों को नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किए

यू.पी. ऑब्ज़र्वर



मोदीनगर। नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के 78वें स्थापना दिवस गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया। एनसीसी महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स के निर्देश पर 35 यूपी वाहिनी मोदीनगर के विभिन्न कॉलेजों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों आयोजन किये जाने के साथ ही स्मारकों पर शहीदों को नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण किए गए।

35 यू पी वाहिनी एन सी सी मोदीनगर के एनसीसी कैडेट्स ने वाहिनी के कमान अधिकारी कर्नल पीके सिंह एवं कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ सतीश चन्द अग्रवाल के निर्देशन एवं मोदी कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर के नेतृत्व में विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान लेफ्टिनेंट राजीव जांगिड़, खेल प्रशिक्षक राजीव सिंह, वाहिनी के कार्यवाहक सूबेदार मेजर नरदोज थापा, सुबेदार सूर्य मान घाले, हवलदार अरविंद दीक्षित, हवलदार संजीत, हवलदार राहुल शर्मा आदि के साथ 248 एन सी सी कैडेट का सहयोग रहा।

इस अवसर पर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद अग्रवाल ने सभी कैडेट को राष्ट्र निर्माण में सहयोग करने की अपील की। प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को कॉलेज के प्रधानाचार्य डी सतीश चंद अग्रवाल ने मेडल पहनाया गया। लेफ्टिनेंट राजीव जांगिड एवं एनसीसी अधिकारी प्रवीण जैनर ने युवाओं को राष्ट्र के विकास में योगदान देकर राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

जन्मों के पुण्य जगते हैं तभी कथा सत्संग में पहुंचते हैं: कथा व्यास अरविन्द भाई ओझा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर



मोदीनगर। जाहरवीर बाबा मंदिर प्रांगण में राम कथा प्रारम्भ हुई कथा से पूर्व बड़ी संख्या में माता बहनें उपस्थित हुई और संकीर्तन करते हुए कलश यात्रा निकली गयी जो शिव मंदिर से प्रारम्भ होकर विभिन्न मार्गो से होते हुए कथा स्थल पर समाप्त हुई। कथा व्यास अरविन्द भाई ओझा ने राम कथा पर प्रकाश डालते हुए कहा जब हम पर परमात्मा की अतिकृपा होती है और जन्मजन्मांतर के पुण्य जाग्रत होते हैं तभी हम कथा सत्संग में पहुंच पाते हैं।

इन कथाओं में संतों सज्जनों के सानिध्य में हमारा विवेक जाग्रत होता है जिससे बुद्धि अच्छे और बुरे का भेद कर पाती है। हर व्यक्ति में अच्छाई और बुराई दोनों होती है लेकिन कथाओं में आने से हमारे जीवन की भक्ति जागृत होती है और भक्ति करने से हमारा विवेक जाग्रत होता है जीवन में अच्छाईयां बढने लगती है।

जिस प्रकार हीरा और कोयला एक ही स्थान पर पैदा होते हैं पर अपने अपने गुणों के कारण हीरा मुकुट की शोभा बढ़ाता और कोयला जल कर नष्ट हो जाता इसलिए परमात्मा ने हमें मनुष्य जीवन अनमोल दिया है जिसे हमें भक्ति के तराश कर हीरा बनाना चाहिए। भगवान शिव की कृपा से ही श्री राम जी की भक्ति प्राप्त होती है। शिव की भक्ति करने से स्वतः ही राम जी की कृपा प्राप्त होती है। आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में भावना को बढ़ाना चाहिए मनुष्य के जीवन में भावना जगने से ही मानवता जगती है और भावना समाप्त होने से यही मानव दानव बन जाता है किसी भी व्यक्ति को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए उसके जीवन में उत्साह और द्रढ़ इक्छाशक्ति होनी चाहिए और परमात्मा व गुरु पर श्रद्धा और विश्वास होना चाहिए।

इनके बल पर ही व्यक्ति असभव कार्य को भी सम्भव कर सकता है। राम जी ने जीवन में जो तप किया है उसी के कारण उनकी कथा अमृत कथा हो गयी जिसे भगवन श्री राम जन जन के राम हो गऐ राम नाम की चर्चा राम नाम की चर्चा करते हुए कहा कि राम ने तो केवल एक-एक व्यक्ति को तारा लेकिन राम के नाम ने कोटी कोटि लोगों को भवसागर से पर किया है इसलिए राम के जीवन के चरित्र का अनुसरण हमें जीवन में करना चाहिए।

कथा व्यास जी ने कहा कि हमें अपने परिवार ,समाज ,धर्म व राष्ट्र की सेवा निस्वार्थ भाव से ये भगवान की सेवा ऐसा मानकर करनी चाहिए मानस में भगवान शंकर ने पार्वती जी से कहा है जो लोग निस्वार्थ सेवा और प्रेम करते है भगवान उनकी प्रशंसा स्वयं अपने मुख से करते है आज कथा में मुख्य यजमान देवेंद्र सिंह तोमर सपरिवार रहे अन्य लोगों में महंत मुलयनाथ जी, अरविंद तोमर, रणपाल , माधुरी सिंघल, सीमा रहे।

संविधान सम्बंधी प्रश्नोत्तरी का आयोजन कराया गया

मोदीनगर। डॉ केएन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में एन सी सी महानिदेशक के आदेशों के अनुक्रम में 35 यू पी वाहिनी एन सी सी मोदीनगर के कमान अधिकारी कर्नल पी के सिंह एवं कॉलेज के प्रधानाचार्य डा सतीश चंद अग्रवाल के निर्देशन मे संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की प्रस्तावना, मौलिक कर्तव्य और मौलिक अधिकारों की जानकारी देने के साथ साथ एन सी सी कैडेट्स के मध्य एक संविधान सम्बंधी प्रश्नोत्तरी का आयोजन कराया गया जिसमें प्रश्नों के सही जवाब देने वाले कैडेट्स को सम्मानित किया गया।

इससे पूर्व प्रार्थना सभा में संविधान दिवस के अवसर पर कॉलेज के छात्रों एवं शिक्षकों के मध्य संविधान दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कॉलेज के एन सी सी अधिकारी ने सभी को संविधान की प्रस्तावना और मौलिक अधिकारों के बारे में गहनता से बताया तथा एन सी सी कैडेट को संविधान के मौलिक कर्तव्यों का अनुपालन करने की शपथ दिलायी और सभी को संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद अग्रवाल ने संविधान निमार्ताओं को नमन करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को संविधान के नियमों का अनुपालन करते हुए अपने अधिकारों के साथ साथ अपने कर्तव्यों का भी निर्वहन ज़िम्मेदारी से करने की सलाह दी।

